खबर वही जो सरकार छिपाए,बाकी सब विज्ञापन

दैनिक
स्वराज्य अभियान

तंत्र के प्रभाव, दबाव से मुक्त तथा राष्ट्र व समाज के लिए समर्पित एक मात्र समाचार पत्र

भोपाल संस्करण | www.swarajyanews.in | शुक्ल पक्ष सप्तमी | भोपाल बुधवार 29 अक्टूबर 2025 | संपादक-पं. एस.के. भारद्वाज | वर्ष -16 अंक-99 , पृष्ठ-8

महातूफान मोंथा से हाहाकार! आंध्र-ओडिशा हाई अलर्ट, झारखंड में 31 तक भारी बारिश की चेतावनी

बंगाल की खाड़ी में बना भीषण चक्रवाती तूफ़ान मोंथा आंध्र प्रदेश तट से टकराने को तैयार है, वहीं भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने इसके प्रभाव से झारखंड में 31 अक्टूबर तक भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी जारी की है, जिससे कई ज़िलों में अलर्ट जारी किया गया है।

बंगाल की खाड़ी के ऊपर चक्रवाती तूफ़ान मोंथा सोमवार को एक भीषण चक्रवाती तूफ़ान में बदल गया। आंध्र प्रदेश और ओडिशा हाई अलर्ट पर हैं, लोगों को निकालने में तेज़ी ला रहे हैं और आज रात काकीनाडा के पास आने वाले तूफ़ान की तैयारी कर रहे हैं। 110 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ़्तार वाली हवाओं के साथ आने वाले इस तूफ़ान ने तटीय क्षेत्र में पहले ही भारी बारिश और तेज़ हवाएँ शुरू कर दी हैं।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मंगलवार को बंगाल की खाड़ी में बने चक्रवात के प्रभाव के कारण 31 अक्टूबर तक झारखंड के कुछ हिस्सों में भारी से बहुत भारी वर्षा होने का अनुमान जताया है। आईएमडी ने एक बुलेटिन में बताया कि चक्रवाती तूफान 'मोंथा' मंगलवार सुबह साढ़े पांच बजे तक एक भीषण चक्रवाती तूफान में तब्दील हो गया। थाई में 'मोंथा' का अर्थ सुगंधित फूल होता है। तूफान सुबह साढ़े पांच बजे मछलीपत्तनम से 190 किमी दक्षिण-पूर्व में, काकीनाडा से 270 किमी दक्षिण-पूर्व में तथा आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम से 340 किमी दक्षिण-दक्षिणपूर्व में केंद्रित था।

बुलेटिन में कहा गया है, ''इसके उत्तर-उत्तरपश्चिम की ओर बढ़ने और मंगलवार की शाम और रात के दौरान भीषण चक्रवाती तूफान के रूप में मछलीपत्तनम और कलिंगपत्तनम के बीच काकीनाडा के आसपास आंध्र प्रदेश के तट को पार करने की आशंका है। इस दौरान हवा की अधिकतम गति 90-100 किमी प्रति घंटा होगी और हवाएं 110 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चल सकती हैं।''

मौसम वैज्ञानिकों ने झारखंड के लिए चेतावनी जारी करते हुए कहा कि सिमडेगा, पश्चिमी सिंहभूम, खूंटी और गुमला के कुछ हिस्सों में मंगलवार को भारी बारिश होने की संभावना है जबकि बुधवार को चतरा, गढ़वा, लातेहार और पलामू के कुछ हिस्सों में बहुत भारी बारिश हो सकती है। उन्होंने कहा कि 30 और 31 अक्टूबर को गिरिडीह, कोडरमा, लोहरदगा, बोकारो, रामगढ़, हजारीबाग, रांची, खूंटी, गुमला, दुमका, गोड्डा, पाकुड़ और साहेबगंज के कुछ हिस्सों में भी भारी बारिश की आशंका है।

दिल्ली में सफल नहीं रहा क्लाउड सीडिंग का प्रयास, कल फिर होगा ट्रायल

नई दिल्ली। दिल्ली में मंगलवार दोपहर को विमान के जरिए क्लाउड सीडिंग कराई गई थी, लेकिन कई घंटे बीत जाने के बाद भी अब तक किसी भी इलाके में बारिश नहीं हुई है. क्लाउंड सीडिंग यह प्रयास सफल नहीं हो पाया है.

दिल्ली में क्लाउड सीडिंग का पहला प्रयास असफल रहा है

प्रदूषण से निजात पाने के लिए दिल्ली में क्लाउड सीडिंग का पहला प्रयास सफल नहीं रहा है. IIT कानपुर के निदेशक के मुताबिक दिल्ली में आज क्लाउड-सीडिंग का प्रयास सफल नहीं रहा. कल दो उड़ानों के साथ फिर से प्रयास किया जाएगा. बताया जा रहा है कि बादलों की आद्रता कम होने की वजह से क्लाउंड सीडिंग का पूरी तरफ से सफल नहीं रहा है. बुधवार को एक बार फिर से क्लाउंड सीडिंग के दो ट्रायल किए जाएंगे. दिल्ली में कृतिम बारिश कराने के लिए मंगलवार को सेसना विमान कानपुर से उड़ान भारी थी. दिल्ली के कई इलाकों में क्लाउंड सीडिंग का ट्रायल किया गया था.

दिल्ली में फिर बजने वाला है चुनावी बिगुल, 12 MCD वार्डों में उपचुनाव 30 नवंबर को, नतीजे 3 दिसंबर

नई दिल्ली। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 10 नवंबर है, जिसके बाद 12 नवंबर को नामांकन पत्रों की जांच होगी। उम्मीदवार 15 नवंबर तक अपना नामांकन वापस ले सकेंगे।

दिल्ली राज्य चुनाव आयोग ने मंगलवार को घोषणा की कि दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के 12 वार्डों के लिए उपचुनाव 30 नवंबर को होंगे। आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि मतगणना 3 दिसंबर को होगी। आयोग के अनुसार, नामांकन 3 नवंबर से शुरू होंगे और मतदान 30 नवंबर को सुबह 7:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक बिना किसी रुकावट के होगा। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 10 नवंबर है, जिसके बाद 12 नवंबर को नामांकन पत्रों की जांच होगी। उम्मीदवार 15 नवंबर तक अपना नामांकन वापस ले सकेंगे।

इन सीटों पर होंगे उपचुनाव

ये उपचुनाव निम्नलिखित वार्डों में होंगे: मुंडका, शालीमार बाग-बी, अशोक विहार, चांदनी चौक, चांदनी महल, द्वारका-बी, दिचाऊं कलां, नारायणा, संगम विहार-ए, दक्षिण पुरी, ग्रेटर कैलाश और विनोद नगर। शालीमार बाग-बी वार्ड का प्रतिनिधित्व पहले दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता करती थीं, जबकि द्वारका-बी वार्ड भाजपा पार्षद कमलजीत सहरावत के पश्चिमी दिल्ली से लोकसभा के लिए चुने जाने के बाद खाली हुआ था। बाकी वार्ड भाजपा और आप के मौजूदा पार्षदों के फरवरी में हुए दिल्ली विधानसभा चुनाव लड़ने और विधायक बनने के बाद खाली हुए थे।

अदालत में झूठे साक्ष्य मामले पर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी, कहा- गवाहों को धमकाना संज्ञेय अपराध

नई दिल्ली ।सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम फैसले में गवाह को धमकाने के अपराध को लेकर अहम टिप्पणी की है। शीर्ष अदालत ने संबंधित प्रक्रियात्मक कानून पर चले आ रहे भ्रम को खत्म कर दिया है। कोर्ट ने साफ किया कि किसी को भी झूठी गवाही देने के लिए धमकाना आईपीसी की धारा 195 के तहत संज्ञेय अपराध है।

सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में मंगलवार (28 अक्तूबर) को कहा कि किसी भी व्यक्ति को झूठे साक्ष्य देने के लिए धमकाना एक संज्ञेय अपराध है। इसी के साथ 2006 में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) में शामिल किए गए एक प्रावधान की अस्पष्टता पर स्पष्टीकरण दिया, जिसके कारण विभिन्न उच्च न्यायालयों ने विरोधाभासी व्याख्याएं कीं। शीर्ष अदालत ने संबंधित प्रक्रियात्मक कानून पर चले आ रहे भ्रम को खत्म किया। कोर्ट ने साफ किया कि किसी को भी झूठी गवाही देने के लिए धमकाना आईपीसी की धारा 195 के तहत संज्ञेय अपराध है। इसलिए पुलिस को सीधे तौर पर एफआईआर दर्ज करने और इसकी जांच करने का अधिकार है।

अपराधों से अलग और भिन्न माना गया

न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति आलोक अराधे की पीठ ने कहा कि वैधानिक व्यवस्था से यह स्पष्ट है कि आईपीसी की धारा 195ए को धारा 193 (झूठे साक्ष्य के लिए दंड), 194 (मृत्युदंड के लिए दोषी ठहराए जाने के इरादे से झूठे साक्ष्य देना या गढ़ना), 195 (आजीवन कारावास या सात साल या उससे अधिक कारावास से दंडनीय अपराध के लिए दोषी ठहराए जाने के इरादे से झूठे साक्ष्य देना या गढ़ना) और 196 (झूठी गवाही) के तहत आने वाले अपराधों से अलग और भिन्न माना गया था।

पीठ ने कहा कि भारतीय दंड संहिता की धारा 193 से 196 के तहत अपराधों के लिए केवल दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 195(1)(बी)(आई) में नामित व्यक्तियों द्वारा ही शिकायत दर्ज कराना आवश्यक है और ये सभी असंज्ञेय अपराध हैं।

अदालत ने कहा, हालांकि, धारा 195ए के तहत अपराध एक संज्ञेय अपराध है और यह किसी व्यक्ति को उसके शरीर, प्रतिष्ठा या संपत्ति या किसी ऐसे व्यक्ति के शरीर या प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने की धमकी देकर उसे झूठी गवाही देने के लिए प्रेरित करने से संबंधित है, जिसमें वह व्यक्ति रुचि रखता हो।÷ पीठ ने आगे कहा कि किसी गवाह को धमकी उसके अदालत में आने से बहुत पहले दी जा सकती है, हालांकि ऐसी धमकी के तहत झूठी गवाही देना उस अदालत में चल रही कार्यवाही से संबंधित है।

पीठ ने कहा, शायद यही कारण है कि इस अपराध को संज्ञेय बनाया गया ताकि धमकी दिया गया गवाह या अन्य व्यक्ति इस संज्ञेय अपराध के घटित होने की मौखिक सूचना सीआरपीसी की धारा 154 के तहत संबंधित पुलिस अधिकारी को देकर या सीआरपीसी की धारा 195ए के तहत क्षेत्राधिकार वाले मजिस्ट्रेट के समक्ष शिकायत दर्ज कराकर तत्काल कदम उठा सके, ताकि आपराधिक कानून की प्रक्रिया शुरू हो सके।

पीठ ने कहा कि उस व्यक्ति को उस अदालत में जाने की आवश्यकता होगी, जिसमें झूठे साक्ष्य देने के संबंध में कार्यवाही लंबित है और उसे प्राप्त धमकी के बारे में सूचित करना, जिससे धारा 195(1)(बी)(i) के तहत शिकायत और सीआरपीसी के प्रावधानों के तहत जांच आवश्यक हो जाती है, केवल प्रक्रिया को कमजोर और बाधित करेगा।

पीठ ने कहा कि दुर्भाग्य से, सीआरपीसी की धारा 195(1) में संशोधन करते समय, सांसदों ने यह स्पष्ट करना आवश्यक नहीं समझा कि क्या आईपीसी की धारा 195ए के तहत अपराध को अन्य अपराधों के लिए निर्धारित प्रक्रिया के अपवाद के रूप में माना जाएगा, जिनका उल्लेख सीआरपीसी की धारा 195(1)(बी)(i) को उसके दायरे से बाहर रखते हुए, इसे विशेष रूप से इसके दायरे से बाहर रखा गया है।

तीन करोड़ प्रवासियों की सॉफ्ट पॉवर बनेगी भाजपा की ताकत, छठ पूजा में बिहार गए लोग बदलेंगे चुनावी बयार

नई दिल्ली । दिल्ली, गुजरात और महाराष्ट्र में रहने वाला यह प्रवासी वर्ग भाजपा शासित राज्यों के विकास को देख रहा है और किसी न किसी रूप में उसका लाभ भी ले रहा है। यदि ये प्रवासी अपने घरों को पहुंचकर भाजपा शासित राज्यों के बेहतर विकास की बात करते हैं तो ये भाजपा और एनडीए के लिए साइलेंट प्रवक्ता की तरह काम कर सकते हैं। एनडीए खेमे को इसका लाभ मिल सकता है।

एक अनुमान है कि बिहार के दो से तीन करोड़ लोग रोजगार, शिक्षा, बेहतर रहन-सहन की सुविधाओं या अन्य कारणों से राज्य के बाहर रहते हैं। इनमें से ज्यादातर लोग ऐसे हैं जो रोजगार के साधनों के अभाव में अपनी जमीन छोड़ने को मजबूर हुए थे। लेकिन बिहार विधानसभा चुनाव और छठ महापर्व के कारण इनमें से एक बड़ा हिस्सा इस समय वापस बिहार पहुंचा है। दिल्ली, गुजरात और महाराष्ट्र में रहने वाला यह प्रवासी वर्ग भाजपा शासित राज्यों के विकास को देख रहा है और किसी न किसी रूप में उसका लाभ भी ले रहा है। यदि ये प्रवासी अपने घरों को पहुंचकर भाजपा शासित राज्यों के बेहतर विकास की बात करते हैं तो ये भाजपा और एनडीए के लिए साइलेंट प्रवक्ता की तरह काम कर सकते हैं। एनडीए खेमे को इसका लाभ मिल सकता है।

कितने प्रवासी बाहर

केंद्रीय श्रम और रोजगार मंत्रालय के एक आंकड़े के अनुसार बिहार राज्य के लगभग 2.90 करोड़ लोग रोजगार के कारण देश के दूसरे राज्यों में रह रहे हैं। बिहार देश के उन राज्यों में शामिल है जहां से सबसे अधिक पलायन होता है। अंतर्देशीय पलायन का राष्ट्रीय औसत 6.1 प्रतिशत है, जबकि इसकी तुलना में बिहार में पलायन की दर 15.8 के करीब है। आर्थिक मामलों के विशेषज्ञ मानते हैं कि यह बहुत अधिक है।

कौन करता है सबसे ज्यादा पलायन

सामान्य अवधारणा है कि गरीबी के कारण लोग पलायन करने को मजबूर होते हैं। लेकिन बिहार में इसकी एक अलग ही कहानी दिखती है। यहां सबसे ज्याद पलायन समाज के तथाकथित उच्च जातियों यानी ब्राह्मण, ठाकर और भूमिहारों के बीच देखा जाता है। उच्च जातियों में पलायन की दर सबसे अधिक 10 प्रतिशत के करीब है। जबकि इनकी तुलना में ओबीसी जातियों के बीच पलायन 5.39 प्रतिशत और ईबीसी जातियों में केवल 3.9 प्रतिशत है। माना जाता है कि तथाकथित जंगलराज के दौरान हुई जातीय हिंसा के कारण उच्च जाति के लोगों ने अपनी जान-माल की रक्षा के लिए सबसे ज्यादा पलायन किया। बेहतर शिक्षा और दूसरे शहरों में अच्छे रहन-सहन की संभावनाओं को देखते हुए आज भी यही वर्ग सबसे ज्यादा पलायन कर रहा है।

आम तौर पर यह माना जाता है कि सामान्य वर्ग का मतदाता प्रमुख तौर पर भाजपा और पीएन नरेंद्र मोदी का समर्थक है। आंकड़े बता रहे हैं कि प्रवासियों में सबसे अधिक संख्या सामान्य वर्ग के लोगों की है। ऐसे में प्रवासी मतदाता बिहार चुनाव में एक बड़ा फैक्टर बन सकते हैं और घर वापस जाने के बाद ये एनडीए गठबंधन यानी नीतीश कुमार सरकार को लाभ पहुंचा सकते हैं।

बिहार के बारे में माना जाता है कि यहां मतदान पर जातिगत समीकरणों का अच्छा खासा असर रहता है। इस कारण भी माना जा सकता है कि प्रवासी वर्ग एडीए को लाभ पहुंचा सकते हैं। एक तथ्य यह भी है कि इस बार एनडीए यानी भाजपा-जदयू ने सबसे ज्यादा सामान्य वर्ग के उम्मीदवारों को टिकट थमाया है। एनडीए ने 2025 के बिहार चुनाव में 35 प्रतिशत सामान्य श्रेणी के उम्मीदवारों को टिकट दिया है, जबकि महागठबंधन ने 30.5 प्रतिशत सामान्य उम्मीदवारों को ही टिकट दिया है। यदि टिकट वितरण को आधार मानें तो भी प्रवासी बिहारियों का समीकरण भाजपा को लाभ पहुंचा सकता है। केंद्र में मोदी और बिहार में नीतीश कुमार की सरकार ने राज्य का तेजी से आर्थिक विकास किया है। लगभग पूरे राज्य में अच्छी सड़कें बन रही हैं, अस्पतालों की उपलब्धता बेहतर हुई है और बच्चों को पढ़ाने के लिए स्कूलों की उपलब्धता बढ़ी है। इससे अब लोगों को पलायन धीरे-धीरे कम हो रहा है।

बाबरी मस्जिद दोबारा बनेगी वाली पोस्ट पर बवाल

नई दिल्ली। सोशल मीडिया पर एक फेसबुक पोस्ट ने फिर से बहस छेड़ दी है. एक कानून के छात्र द्वारा की गई ÷बाबरी मस्जिद भी एक दिन फिर से बनाई जाएगी÷ वाली पोस्ट को लेकर दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई से इनकार कर दिया. अदालत ने साफ कहा कि उसने संबंधित पोस्ट देख ली है और इस मामले में हस्तक्षेप की कोई जरूरत नहीं है.

सुनवाई के दौरान जब याचिकाकर्ता के वकील ने बार-बार कहा कि अदालत ने पोस्ट नहीं देखी, तो न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने सख्ती दिखाते हुए चेतावनी दी ऐसा मत कहिए कि हमने नहीं देखी, वरना आपको इसके परिणाम भुगतने होंगे. इस टिप्पणी के बाद याचिकाकर्ता ने खुद ही याचिका वापस ले ली.

क्या है पूरा मामला?

यह मामला 2020 में दर्ज एक एफआईआर से जुड़ा है. आरोप है कि याचिकाकर्ता ने 5 अगस्त 2020 को फेसबुक पर एक पोस्ट डाली थी. इसी दिन अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन हुआ था. पोस्ट में लिखा था, बाबरी मस्जिद भी एक दिन फिर से बनाई जाएगी, जैसे तुर्की में सोफिया मस्जिद को दोबारा बनाया गया. पुलिस ने इस पोस्ट को सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील बताया और याचिकाकर्ता पर आईपीसी की आपराधिक धाराओं में केस दर्ज कर लिया.

सुप्रीम कोर्ट में क्या हुआ?

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के वकील ने दलील दी कि यह पोस्ट संविधान के अनुच्छेद 19(1)(a) के तहत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार है. उनका कहना था कि न तो इसमें कोई भड़काऊ भाषा थी, न किसी धर्म का अपमान किया गया. उन्होंने कहा कि असली आपत्तिजनक टिप्पणियां किसी तीसरे व्यक्ति के अकाउंट से आई थीं, जिन्हें गलत तरीके से उनके क्लाइंट से जोड़ा गया.

इस पर न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमल्य बागची की पीठ ने कहा कि उन्होंने पोस्ट कई बार पढ़ी है और उन्हें हस्तक्षेप की जरूरत नहीं लगती. अदालत ने यह भी कहा कि आरोपी को अपने सभी बचाव बिंदु ट्रायल कोर्ट में उठाने का मौका मिलेगा.

याचिकाकर्ता का पक्ष और पृष्ठभूमि

याचिकाकर्ता ने बताया कि इसी फेसबुक पोस्ट के चलते उन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (NSA) के तहत एक साल से ज्यादा समय तक हिरासत में रखा गया था. उसे इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 2021 में रद्द कर दिया था. उनका कहना था कि पुलिस ने बिना पर्याप्त सबूत के उन्हें निशाना बनाया, जबकि कई फर्जी प्रोफाइल्स इस पोस्ट को शेयर कर रही थीं. अंत में याचिकाकर्ता ने यह कहते हुए याचिका वापस ले ली कि वे नहीं चाहते कि सुप्रीम कोर्ट की कोई टिप्पणी उनके ट्रायल को प्रभावित करे. अदालत ने याचिका वापस लेने की अनुमति दे दी.

सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी

जब वकील ने बार-बार यह कहा कि कोर्ट ने पोस्ट नहीं देखी, तो जस्टिस सूर्यकांत ने सख्त लहजे में कहा, ऐसा मत कहिए कि हमने नहीं देखी. यदि आप ऐसा व्यवहार करेंगे, तो आपको इसके परिणाम भुगतने होंगे. अदालत की यह टिप्पणी पूरे मामले में चर्चा का केंद्र बन गई है

दैनिक स्वराज्य अभियान

खबर वही जो सरकार छिपाए,बाकी सब विज्ञापन

तंत्र के प्रभाव, दबाव से मुक्त तथा राष्ट्र व समाज के लिए समर्पित एक मात्र समाचार पत्र

महिलाओं को 2500 रुपये महीना, भूमिहीन परिवारों को जमीन

बिहार चुनाव के लिए महागठबंधन की प्रमुख गारंटियों का कांग्रेस ने किया खुलासा

राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) ने पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में 27 नेताओं को छह साल के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया। पार्टी के राज्य मुख्यालय से जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, यह कार्रवाई कई नेताओं द्वारा विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों में निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने या आधिकारिक आरजेडी उम्मीदवारों का विरोध करने की खबरें मिलने के बाद की गई। छठ पर्व के समापन के साथ ही बिहार पूरी तरह चुनावी रंग में आ गया है। सभी प्रमुख राजनीतिक दलों के नेता राज्य भर में रैलियाँ और जनसभाएँ शुरू करने की तैयारी में हैं। महागठबंधन और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) दोनों ही चुनाव से पहले मतदाताओं को जोड़ने के लिए जी-जान से जुटे हैं।

कांग्रेस नेता द्वारा साझा की गई महागठबंधन की वादों की सूची

पटना में घोषणापत्र जारी करने से पहले, कांग्रेस नेता कृष्णा अल्लावरु ने बिहार के लिए महागठबंधन की प्रमुख प्रतिबद्धताओं की जानकारी दी÷

पटना में महागठबंधन आज अपना चुनावी घोषणापत्र जारी करेगा, जिसमें रोज़गार, महंगाई, शिक्षा और किसान कल्याण जैसे प्रमुख मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किए जाने की उम्मीद है। इस बीच, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) भी अपने उम्मीदवारों के समर्थन में रैलियाँ करने की तैयारी कर रहा है।

एमआरजेडी ने 27 बागी नेताओं को निष्कासित किया

इस बीच, राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) ने पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में 27 नेताओं को छह साल के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया। पार्टी के राज्य मुख्यालय से जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, यह कार्रवाई कई नेताओं द्वारा विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों में निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने या आधिकारिक आरजेडी उम्मीदवारों का विरोध करने की खबरें मिलने के बाद की गई। पार्टी ने कहा कि बिहार विधान सभा आम चुनाव 2025 में राष्ट्रीय जनता दल के आधिकारिक उम्मीदवारों के खिलाफ या निर्दलीय के रूप में चुनाव लड़ने वाले कुछ सहयोगियों द्वारा पार्टी विरोधी आचरण, गतिविधियों और जवाबी कार्रवाई के संबंध में राज्य मुख्यालय द्वारा प्राप्त आधिकारिक सूचना के आधार पर, निम्नलिखित पार्टी नेताओं/कार्यकर्ताओं को राष्ट्रीय जनता दल की प्राथमिक सदस्यता से छह साल के लिए निष्कासित किया जाता है।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा ने अवैध मकानों को वैध करने वाला निजी विधेयक किया खारिज

जम्मू-कश्मीर।हम आपको बता दें कि पुलवामा से पीडीपी विधायक वहीद पारा द्वारा पेश किया गया विधेयक, जिसमें सरकारी और साझा जमीनों पर बने मकानों को मालिकाना हक देने की बात कही गई थी, सदन ने ध्वनिमत से खारिज कर दिया।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा का सत्र आज कई विवादास्पद मुद्दों, क्षेत्रीय असमानता के आरोपों और सरकार की जवाबदेही पर तीखी बहसों से भरा रहा। दिनभर चली कार्यवाही में सरकार ने दो निजी विधेयकों को खारिज कर दिया। इनमें एक निजी विधेयक सरकारी भूमि पर अवैध निर्माणों को वैध ठहराने और दूसरा लोकायुक्त की नियुक्ति से संबंधित था। इसके अलावा, भाजपा और पीडीपी विधायकों ने शिक्षा विभाग में भेदभाव, सामाजिक श्रेणी प्रमाणपत्रों में असमानता और हाल की बाढ़ पर चर्चा की मांग को लेकर हंगामा किया।

हम आपको बता दें कि पुलवामा से पीडीपी विधायक वहीद पारा द्वारा पेश किया गया विधेयक, जिसमें सरकारी और साझा जमीनों पर बने मकानों को मालिकाना हक देने की बात कही गई थी, सदन ने ध्वनिमत से खारिज कर दिया। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि ÷ऐसे विधेयक से जमीन हड़पने का रास्ता खुलेगा÷। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत भूमिहीनों को पहले से ही राहत दी जा रही है।

इसी दौरान वहीद पारा ने एक अन्य प्रश्न के जरिए जम्मू और कश्मीर के बीच सामाजिक श्रेणी प्रमाणपत्र जारी करने में भारी असमानता का मुद्दा उठाया। सरकार द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार, अनुसूचित जाति (एससी) प्रमाणपत्रों में जम्मू का हिस्सा 99 प्रतिशत से अधिक है, जबकि कश्मीर में यह 1 प्रतिशत से भी कम। एमवाई तारिगामी ने भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच के लिए लोकायुक्त की नियुक्ति का निजी विधेयक पेश किया, लेकिन मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि ÷केंद्र शासित प्रदेश के पास ऐसा संवैधानिक अधिकार नहीं है।÷ अब्दुल्ला ने कहा कि जब राज्य का दर्जा बहाल होगा, तब ऐसी व्यवस्था संभव होगी।

इसी दौरान वहीद पारा ने एक अन्य प्रश्न के जरिए जम्मू और कश्मीर के बीच सामाजिक श्रेणी प्रमाणपत्र जारी करने में भारी असमानता का मुद्दा उठाया। सरकार द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार, अनुसूचित जाति (एससी) प्रमाणपत्रों में जम्मू का हिस्सा 99 प्रतिशत से अधिक है, जबकि कश्मीर में यह 1 प्रतिशत से भी कम।

नकाबपोश बदमाशों ने की बजरंग दल के पूर्व गौ सेवा प्रमुख नीलेश की हत्या

कटनी । कटनी में एसीसी गेस्ट हाउस के पास बाइक सवार नकाबपोश बदमाशों ने बजरंग दल के पूर्व गौ सेवा प्रमुख नीलेश रजक की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने CCTV फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश तेज की, क्षेत्र में फैली दहशत।

मध्यप्रदेश के कटनी जिले में मंगलवार सुबह उस समय अफरातफरी मच गई जब नकाबपोश बाइक सवार बदमाशों ने दिनदहाड़े बजरंग दल के पूर्व गौ सेवा प्रमुख नीलेश रजक पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं। वारदात कैमोर थाना क्षेत्र के एसीसी गेस्ट हाउस के पास बड़ौदा बैंक के समीप की बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बदमाशों ने नीलेश रजक पर करीब पांच से छह राउंड फायरिंग की, जिससे उनके सिर और सीने में गोलियां लगीं। गंभीर रूप से घायल रजक को विजयराघवगढ़ अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

बैंक के पास खड़े थे नीलेश रजक, दो नकाबपोशों ने मारी गोलियां

पुलिस के मुताबिक घटना सुबह करीब साढ़े दस से ग्यारह बजे के बीच की है। नीलेश रजक किसी काम से बाहर निकले थे और जब वे बड़ौदा बैंक के पास पहुंचे, तभी दो नकाबपोश युवक बाइक पर सवार होकर आए और उन पर गोलियां बरसाने लगे। फायरिंग के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। गोली लगने के बाद नीलेश रजक वहीं गिर पड़े और लहूलुहान हालत में उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

CCTV फुटेज में कैद हुई वारदात, पुलिस ने की इलाके की घेराबंदी

वारदात की जानकारी मिलते ही कैमोर थाना पुलिस और वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने आसपास लगे CCTV कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू की, जिसमें हमलावरों की गतिविधियां कैद हुई हैं। फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश के लिए इलाके की घेराबंदी की गई और चारों दिशाओं में नाकेबंदी कर दी गई है। पुलिस ने घटनास्थल से कारतूस के खोखे और बाइक के निशान भी बरामद किए हैं।

क्षेत्र में फैली दहशत, हत्या की वजह पर सस्पेंस बरकरार

नीलेश रजक बजरंग दल के सक्रिय सदस्य रहे हैं और पिछले कुछ वर्षों से गौ सेवा से जुड़े थे। उनकी हत्या से क्षेत्र में दहशत फैल गई है। फिलहाल हत्या के पीछे की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है। पुलिस सभी संभावित एंगल से जांच में जुटी है और जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी की संभावना जताई जा रही है।

सीएम हिमंत बिस्वा सरमा बोले- नए विधेयक में बहुविवाह के लिए सात साल जेल भेजने की है योजना

गुवाहाटी । असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि शीतकालीन सत्र में राज्य सरकार बहुविवाह के खिलाफ प्रस्तावित कानून में लाने जा रही है, जिसमें कम से कम सात साल की सजा होगी। उन्होंने बताया कि यह विधेयक 25 नवंबर को शीतकालीन सत्र के पहले दिन विधानसभा में पेश किया जाएगा।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि बहुविवाह के खिलाफ प्रस्तावित कानून में कम से कम सात साल की सजा होगी। सरमा ने सोमवार को मुख्यमंत्री संतुष्ट मोइना योजना के दूसरे चरण के शुरू करने के दौरान यह बात कही। उन्होंने कहा कि यह विधेयक 25 नवंबर को शीतकालीन सत्र के पहले दिन विधानसभा में पेश किया जाएगा।

भाजपा सरकार बहुविवाह की कभी इजाजत नहीं देगी

उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद लाभार्थी लड़कियों से कहा, अगर कोई अपनी पत्नी को कानूनी रूप से तलाक दिए बगैर दूसरी महिला से शादी करता है, तो उसके धर्म की परवाह किए बिना उसे सात साल या उससे अधिक की कैद का प्रावधान होगा। उन्होंने आगे कहा कि फिर भले ही आरोपी यह कहे कि उसका धर्म इसकी इजाजत देता है, लेकिन भाजपा सरकार बहुविवाह की कभी इजाजत नहीं देगी।

महिलाओं की गरिमा की हर कीमत पर रक्षा करेंगे

सीएम सरमा ने आगे कहा, हम इस राज्य में महिलाओं की गरिमा की हर कीमत पर रक्षा करेंगे। बताते चलें कि राज्य सरकार ने बीते साल लड़कियों की शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री संतुष्ट मोइना योजना शुरू की थी। इसके तहत 11वीं कक्षा की छात्राओं को 1000 रुपये, स्नातक प्रथम वर्ष के छात्रों को 1250 रुपये और स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष के छात्रों को 2500 रुपये की मासिक वित्तीय सहायता दी जाती है। इसके अलावा, बीएड की छात्राओं को 10 महीने तक यह मदद दी जाती है।

शिक्षण संस्थानों में लड़कियों के नामांकन दर में बढ़ोतरी

मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने इस दौरान कहा, इस योजना की वजह से बीते साल के मुकाबले शिक्षण संस्थानों में लड़कियों के नामांकन दर में बढ़ोतरी हुई है और स्कूल छोड़ने की दर में काफी कमी आई है। इस साल कुल 3.5 लाख लड़कियों को इस योजना का लाभ मिलेगा।

चीन-थाईलैंड से आने वाली सस्ती टीबी की दवाओं की भारत ने शुरू की जांच, लगा सकता है एंटी-डंपिंग शुल्क

नई दिल्ली । भारत ने चीन और थाईलैंड से टीबी यानी तपेदिक रोधी दवाओं में इस्तेमाल होने वाले दवा रसायन एथमब्यूटोल हाइड्रोक्लोराइड के आयात की डंपिंग जांच तेज कर दी है। व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) ने सोमवार को इस जांच से जुड़े सभी पंजीकृत पक्षों की सूची जारी की। बता दें कि देशों से आ रहा सस्ते रसायन के चलते भारतीय कंपनियों को भारी नुकसान का सामना करना पड़ रहा था।

डीजीटीआर ने यह जांच बीते महीने भारतीय दवा निर्माता ल्यूपिन लिमिटेड के याचिका दायर करने के बाद शुरू की थी। इस याचिका में ल्यूपिन ने आरोप लगाया था कि चीन और थाईलैंड से आयात होने वाला यह रसायन बहुत कम कीमत पर बेचा जा रहा है, जिससे भारतीय कंपनियों को नुकसान हो रहा है। यह जांच भारत के उस व्यापक अभियान का हिस्सा है जिसके तहत वह घरेलू उद्योगों को अनुचित व्यापारिक प्रथाओं से बचाने की कोशिश कर रहा है। डीजीटीआर ने सितंबर में ही ग्लास फाइबर और स्टील से लेकर सौर सेल और रासायनिक उत्पादों तक कई अलग-अलग क्षेत्रों में ऐसी डंपिंग प्रथाओं की 15 अंतिम निष्कर्ष रिपोर्टें जारी कीं।

डीजीटीआर ने सोमवार को जारी बयान में ल्यूपिन लिमिटेड को देशी उद्योग का प्रतिनिधि बताया और चीन की वुहान वुयाओ फार्मास्युटिकल्स को विदेशी निर्माता के रूप में नामित किया। एजेंसी ने कहा कि डंपिंग और नुकसान के सबूत मिले हैं, क्योंकि ये आयातित उत्पाद भारतीय कीमतों से कम पर बेचे जा रहे हैं।

यह जांच अप्रैल 2024 से मार्च 2025 की अवधि के आंकड़ों को कवर करेगी। अगर जांच में यह साबित हो जाता है कि भारतीय कंपनियों को नुकसान हुआ है, तो सरकार चीन और थाईलैंड से आयात पर एंटी-डंपिंग शुल्क लगा सकती है।

दिलचस्प बात यह है कि सितंबर में ही डीजीटीआर ने 13 नए एंटी-डंपिंग और सब्सिडी जांच मामले शुरू किए, जिनमें ज्यादातर चीन और दक्षिण कोरिया से होने वाला आयात शामिल हैं। इससे साफ है कि भारत अब अपने घरेलू उद्योगों की सुरक्षा के लिए तेजी से कदम उठा रहा है।

हम प्रियंक खरगे के खिलाफ अदालत में मामला दायर कर सकते हैं: हिमंत

असम। निवेश को केंद्र के 'दबाव' के बाद गुजरात और असम ले जाया जा रहा है। इस पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए शर्मा ने कहा, ''शायद, हम उनके खिलाफ मामला दर्ज करें क्योंकि उन्होंने कहा है कि असम में शिक्षित युवा नहीं हैं।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को कहा कि उनकी सरकार कर्नाटक के सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) मंत्री प्रियंक खरगे के खिलाफ मामला दर्ज करने पर विचार कर रही है, क्योंकि उन्होंने कथित तौर पर कहा था कि पूर्वोत्तर राज्य में सेमीकंडक्टर इकाई जैसे बड़े उद्योग स्थापित करने के लिए कोई प्रतिभा नहीं है।

शर्मा ने कर्नाटक के मंत्री के ''आपत्तिजनक बयान'' की निंदा नहीं करने के लिए विपक्षी कांग्रेस की भी आलोचना की। उन्होंने कहा, ''प्रियंक खरगे अव्वल दर्जे के मूर्ख हैं। उन्होंने असमिया युवाओं का अपमान किया है और कांग्रेस ने अभी तक प्रियंक खरगे की निंदा नहीं की है।''खरगे ने कथित तौर पर एक समाचार चैनल से कहा था कि कर्नाटक में किये जाने वाले निवेश को केंद्र के 'दबाव' के बाद गुजरात और असम ले जाया जा रहा है। इस पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए शर्मा ने कहा, ''शायद, हम उनके खिलाफ मामला दर्ज करें क्योंकि उन्होंने कहा है कि असम में शिक्षित युवा नहीं हैं। यह असमिया युवाओं का अपमान है। इसलिए, हम इस पर विचार कर रहे हैं कि क्या उनके खिलाफ अदालत में मामला दायर किया जा सकता है।

चक्रवाती तूफान मोंथा ने आंध्र तट पर दी दस्तक, कई जिलों में बारिश और तेज हवाएं; 67 ट्रेनें रद्द

अमरावती । चक्रवाती तूफान 'मोंथा' ने सोमवार को आंध्र प्रदेश के तटीय इलाकों में लैंडफॉल शुरू किया। काकीनाडा और विशाखापत्तनम के आसपास तेज हवाओं और बारिश का दौर जारी है। प्रशासन ने रेड अलर्ट जारी करते हुए लोगों को सतर्क रहने की अपील की है। आंध्र प्रदेश में चक्रवाती तूफान 'मोंथा' ने सोमवार शाम तटीय इलाकों में लैंडफॉल शुरू कर दिया। राज्य के कई तटीय जिलों में तेज हवाओं के साथ बारिश का सिलसिला जारी है। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है, जबकि रेलवे ने यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए दर्जनों ट्रेनों को रद्द कर दिया है। मौसम विभाग के अनुसार, तूफान मंगलवार तक भीषण चक्रवाती तूफान में बदल सकता है।

आंध्र प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के प्रबंध निदेशक प्रखर जैन ने बताया कि 'मोंथा' का असर तटीय जिलों में शुरू हो गया है। विशाखापत्तनम के पास 560 किलोमीटर की दूरी पर स्थित यह तूफान पिछले छह घंटों में 18 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से बढ़ा है। मंगलवार सुबह तक इसके एक भीषण चक्रवाती तूफान में तब्दील होने की आशंका है। उन्होंने कहा कि 28 अक्टूबर की शाम या रात तक 'मोंथा' काकीनाडा तट को पार कर सकता है। अधिकारियों ने लोगों को सतर्क रहने और प्रशासन द्वारा जारी सुरक्षा दिशानिर्देशों का पालन करने की सलाह दी है।

तटीय जिलों में अलर्ट और एहतियाती कदम

राज्य सरकार ने विशाखापत्तनम, पूर्वी गोदावरी, काकीनाडा, विजयवाड़ा, गुंटूर, और मछलीपट्टनम जिलों में रेड अलर्ट जारी किया है। प्रशासन ने राहत और बचाव दलों को सक्रिय कर दिया है। गांवों के निचले इलाकों से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है। स्कूलों और सरकारी दफ्तरों को अगले दो दिनों तक बंद रखने के निर्देश जारी किए गए हैं। बिजली आपूर्ति बाधित होने और पेड़ों के गिरने की आशंका के चलते स्थानीय निकायों को अतिरिक्त संसाधन मुहैया कराए गए हैं।'मोंथा' के खतरे को देखते हुए रेलवे ने 67 ट्रेनों को रद्द करने का ऐलान किया है। इनमें विजयवाड़ा, काकीनाडा, राजमुंद्री, गुंटूर, मछलीपट्टनम, निडादवोलू, नारसापुर और विशाखापत्तनम के बीच चलने वाली अधिकांश यात्री और एक्सप्रेस ट्रेनें शामिल हैं। रेलवे ने यात्रियों से आग्रह किया है कि वे अपनी यात्रा से पहले ट्रेन की स्थिति की जानकारी ले लें और किसी भी प्रकार की अनावश्यक यात्रा से बचें।

कोलकाता की झुग्गी बस्ती में भीषण आग, आठ घायल

अपराह्न करीब दो बजे एलपीजी सिलेंडर फटने से आग लगने का संदेह है। अधिकारियों ने बताया कि हादसे में झुग्गी बस्ती के आठ निवासी झुलस गए। सभी घायलों को पास के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

दक्षिण कोलकाता के बेलतला इलाके की एक झुग्गी बस्ती में सोमवार अपराह्न भीषण आग लगने से आठ लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि एक दमकल गाड़ी ने एक घंटे के भीतर आग पर काबू पाया।

उन्होंने बताया कि अपराह्न करीब दो बजे एलपीजी सिलेंडर फटने से आग लगने का संदेह है। अधिकारियों ने बताया कि एक दमकल गाड़ी ने एक घंटे के भीतर आग पर काबू पाया। अधिकारियों ने बताया कि हादसे में झुग्गी बस्ती के आठ निवासी झुलस गए। सभी घायलों को पास के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

अमेरिका ने फिर भेजे बेड़ी और हथकड़ी में भारतीयों को

- भारत से कौन सी दुश्मनी निकाल रहे हैं ट्रंप

अमेरिका द्वारा एक बार फिर भारतीयों को बेड़ी और हथकड़ियों में जकड़कर भारत डिपोर्ट किया गया है। यह कृत्य मनोवैज्ञानिक संवेदनशीलता और मानवीय गरिमा दोनों के खिलाफ है। अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकारों, भारत और अमेरिका के संबंधों को लेकर भी यह कृत्य बहुत आपत्तिजनक है। सूचनाओं के मुताबिक कई युवा, बेहतर जीवन और रोज़गार की उम्मीद लेकर अमेरिका गए थे। ट्रंप प्रशासन द्वारा लगातार नियम और कानून को बदला जा रहा है, ऐसी स्थिति में ही उन्हें अमेरिका से बाहर निकाला जा रहा है। जिन लोगों को अमेरिका से भारत भेजा गया है, उनके साथ अमेरिका में हिंसक और अपमानजनक व्यवहार किया गय और फिर आतंकवादियों की तरह भारत वापस भेजा गया है। उनके हाथ-पैर जंजीरों में बन्धे हुये थे। इस स्थिति को लेकर युवा और उनके परिवारजन किस तरह से अपमानित और असहज महसूस कर रहे होंगे। इसका आसानी से अंदाजा लगाया जा सकता है। यह कार्यवाही साधारण नीतिगत कदम नहीं है। ट्रंप प्रशासन भारत के साथ जानबूझकर इस तरह की कार्यवाही कर रहा है। पहले भी इस तरह की कार्रवाई अमेरिका कर चुका है। भारत सरकार द्वारा विरोध दर्ज कराने के बाद भी यदि यही कार्रवाई बार-बार हो रही है तो यह भारत के लिए बड़ी चिंताजनक स्थिति है। कई वर्षों से चले आ रहे प्रवासन, मानव तस्करी और अंतरराष्ट्रीय कूटनीति की जटिल समस्या एक अलग बात है, लेकिन जो छात्र या अन्य लोग रोजी रोजगार के लिए गए हैं जो किसी अपराध में लिप्त नहीं थे उन्हें यदि इस तरीके से भारत वापस भेजा जाता है तो इसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है।

सबसे पहले, इसे मानवाधिकार के नजरिए से देखा जाना चाहिए। किसी भी नागरिक को, चाहे वह किसी भी देश का क्यों न हो। जब गिरफ्तार या डिपोर्ट किया जा रहा हो, तब उसके साथ इस तरह का व्यवहार, जिसमे भूख-प्यास, कई दिनों तक हिरासत में रखने और उत्पीड़न कर पीड़ित करने जैसे कृत्य अंतरराष्ट्रीय मानदंडों के विरुद्ध हैं। आव्रजन नियमों के उल्लंघन में बच्चे, बूढ़े, युवा और महिलाओं को हिरासत में रखकर भोजन-जल तथा बुनियादी सुविधाओं को उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है। वह हिरासत में शारीरिक एवं मानसिक प्रताड़ना झेलते हैं। यह कानूनी कार्रवाई नहीं, मानवता पर चोट है। इससे स्पष्ट होता है कि अमेरिका की सरकार जानबूझकर भारत को अपमानित करने के लिए इस तरह से भारतीयों को परेशान कर रही है। भारत सरकार का दायित्व बनता है, वह अपने नागरिकों की गरिमा और सुरक्षा की निगरानी करे। विशेषकर उन लोगों की जो धोखे या एजेंटों के जाल में फँसकर पढ़ाई अथवा रोजगार के कारण अमेरिका जाते हैं। यह स्पष्ट है, आर्थिक विषमता, शिक्षा सीमापार रोजगार की लालसा, प्रवासन इसका मुख्य कारण है। विदेश में जाकर पढ़ाई और रोजगार करने के लिए कई परिवारों ने जमीन-सम्पत्ति बेच दी। युवाओं ने बड़े कर्ज उठाकर विदेश जाने की कोशिश की। भारत और अमेरिका के ठगों द्वारा मानों उन्हें शिक्षा और रोजगार के नाम पर धोखा देकर ठग लिया गया हो।

ट्रंप प्रशासन ने हाल ही में अपने कानून में परिवर्तन करके जो कल तक वैध था उसे आज अवैध बना दिया है। ऐसी स्थिति में अमेरिका और भारत सरकार के लिए जिम्मेदारी और एक चुनौती है। दोनों देशों के लिए इस स्थिति से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार कार्रवाई की जानी चाहिए। इस तरह की समस्या को कूटनीतिक संवाद और समझौते के माध्यम से सुलझाया जाना जरूरी होता है। पूर्व में हुई सहमति के बावजूद यदि इस तरह का व्यवहार किया जाता है, तो यह दोनों देशों के बीच स्पष्ट तर्क-वितर्क और पारदर्शिता की कमी अथवा जानबूझकर किया जा रहा कृत्य माना जायगा। पीड़ित परिवारों की सुनवाई और दोषी एजेंटों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करना दोनों देशों की जिम्मेदारी है। इस तरह की घटना प्रवासन कानूनी विषय मात्र नहीं है। यह मानवीय, सामाजिक और आर्थिक समस्या से जुड़ा हुआ प्रश्न है। पिछले 8 महीने में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत के साथ जिस तरह का व्यवहार कर रहे हैं उसको देखते हुए ऐसा लगता है कि वह समय-समय पर भारत को अपमानित करने का कोई मौका नहीं छोड़ना चाहते हैं।

ट्रंप प्रशासन ऐसा क्यों कर रहा है, इस बात की जानकारी भारत सरकार को हो सकती है। भारत सरकार को इस तरह की समस्या के निदान के लिए स्वयं आगे आकर पहल करनी चाहिए थी, लेकिन जिस तरह से भारत सरकार ने चुप्पी साध रखी है उससे सभी को आश्चर्य हो रहा है। इसके पहले भारत और अमेरिका के बीच इस तरह के संबंध नहीं थे। यह भी कहा जाता था कि डोनाल्ड ट्रंप के साथ भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की व्यक्तिगत दोस्ती इतनी मधुर है कि वह उनके चुनाव प्रचार में भाग लेने के लिए अमेरिका चले गए थे। पिछले कई महीनो से अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप भारत पर टैरिफ लगाने से लेकर कारोबार और पाकिस्तान-भारत के संबंधों को लेकर जिस तरह की बयानबाजी कर रहे हैं उसका कोई जवाब भारत नहीं दे रहा है। इसको लेकर अब लोगों के मन में अमेरिका के साथ-साथ भारत सरकार के प्रति भी गुस्सा देखने को मिल रहा है। लोग कहने लगे हैं कि 1971 में जब भारत इतना मजबूत नहीं था तब तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अमेरिका को जो जवाब दिया था उसे आज भी पूरी दुनिया नहीं भूली है। 1971 की तुलना में जब हम 100 गुना ज्यादा सशक्त हैं, ऐसी स्थिति में भारत सरकार की चुप्पी यह बता रही है कि डोनाल्ड ट्रंप जानबूझकर भारत को अपमानित कर रहे हैं। इस कारण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जो छवि पिछले 10 सालों में बनी थी उसको भी सबसे बड़ा नुकसान हो रहा है। वही आम जनता के मन में यह भय उत्पन्न हो रहा है कि हम पहले जैसे सुरक्षित नहीं रहे। अमेरिका में जिस तरह से प्रवासी भारतीयों के ऊपर हमले बढ़ रहे हैं, उस पर भी भारत सरकार की चुप्पी से लोग हैरान हैं। भारत सरकार को इस घटना को गंभीरता से लेना होगा नहीं तो अमेरिका आगे चलकर इसी तरीके से भारत को अपमानित करता रहेगा जो भारत के हित में नहीं होगा।

-लेखक- सनत जैन

स्ट्रोक आने से पहले दिखते हैं ये चार संकेत, तीसरा वाला तो गलती से भी नजरअंदाज न करें

नई दिल्ली । स्ट्रोक एक जानलेवा बीमारी है। स्ट्रोक आने से पहले शरीर में कुछ संकेत दिखते हैं, अगर उन संकेतों को समय रहते पहचान लिया जाए तो बड़ी दुर्घटना को टाला जा सकता है। आइए इस लेख में इसी के बारे में जानते हैं।

दुनिया में हर 4 मिनट में एक व्यक्ति की मौत स्ट्रोक से होती है। स्ट्रोक तब होता है जब मस्तिष्क के किसी हिस्से में रक्त का प्रवाह बाधित हो जाता है, जिससे मस्तिष्क की कोशिकाएं मरने लगती हैं। यह एक बेहद गंभीर समस्या है, जिसको बारे में सभी लोगों को जानना चाहिए।

हर साल 29 अक्टूबर को वर्ल्ड स्ट्रोक डे मनाया जाता है, जिसका मुख्य उद्देश्य लोगों को ब्रेन स्ट्रोक के गंभीर खतरों और लक्षणों के प्रति जागरूक करना है। स्ट्रोक दुनिया भर में मृत्यु और विकलांगता के प्रमुख कारणों में से एक है, लेकिन डॉक्टरों का मानना है कि यदि इसके शुरुआती संकेतों को स्ट्रोक के पहले 60 मिनट के भीतर पहचान लिया जाए, तो मरीज की जान बचाई जा सकती है और दीर्घकालिक क्षति को कम किया जा सकता है।

स्ट्रोक के लक्षणों को याद रखने के लिए एक सरल नियम है, 'FAST', जिसे गलती से भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। ये संकेत अचानक और तेजी से दिखाई देते हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हाई बीपी, डायबिटीज और अनियंत्रित जीवनशैली के कारण अब यह समस्या सिर्फ बुजुर्गों तक सीमित नहीं रही है, बल्कि 30 से 40 वर्ष के युवाओं में भी इसके मामले तेजी से बढ़ रहे हैं, जिसके लिए तत्काल जागरूकता और त्वरित कार्रवाई बहुत जरूरी है।

स्ट्रोक का पहला और दिखने वाला संकेत है चेहरे का टेढ़ा होना है। अगर अचानक चेहरे के किसी एक तरफ कमजोरी महसूस हो या वह हिस्सा लटक जाए, तो यह खतरे की घंटी है। आप मरीज से मुस्कुराने को कहें, यदि मुस्कान आधी-अधूरी या असमान दिखे, या मुंह के कोने से लार बहने लगे, तो तुरंत समझ लें कि यह स्ट्रोक का संकेत हो सकता है। यह लक्षण दिखते ही सतर्क हो जाएं।

दूसरा संकेत आपके हाथों से जुड़ा है। अगर किसी व्यक्ति के हाथ या बांह में अचानक सुन्न होने लगे या वे कमजोर पड़ जाएं, तो यह दूसरा बड़ा खतरा हो सकता है। उससे कहें कि वह दोनों हाथ एक साथ ऊपर उठाए। यदि एक हाथ अपने आप नीचे गिर जाए या उसे उठाने में बहुत ज्यादा मुश्किल हो, तो यह बताता है कि दिमाग में खून का बहाव रुक गया है। यह स्थिति दिखते ही बिना समय गंवाए डॉक्टर से संपर्क करें।

यह संकेत सबसे महत्वपूर्ण है, जिसे कभी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। अगर व्यक्ति अचानक लड़खड़ाकर बोलने लगे, उसकी बोली अस्पष्ट (तोतली) हो जाए, या वह सब कुछ समझ रहा हो, पर बोल न पाए, तो यह दिमाग को गंभीर नुकसान पहुंचने का स्पष्ट संकेत है। इस लक्षण को नींद या घबराहट से जोड़कर गलती न करें, ऐसी स्थिति में तुरंत डॉक्टर से मिलें।

यदि आपको ऊपर बताए गए तीन संकेतों (चेहरा, बांह, बोली) में से कोई भी लक्षण दिखता है, तो एक पल भी बर्बाद न करें। 'T' का मतलब है तुरंत एम्बुलेंस को फोन करें। स्ट्रोक के बाद के शुरुआती मिनट गोल्डन आवर कहलाते हैं। इस दौरान जितनी तेजी से इलाज मिलेगा, मरीज की जान बचने और स्थायी विकलांगता कम होने की संभावना उतनी ही अधिक होगी।

नोट- यह लेख मेडिकल रिपोर्टस से एकत्रित जानकारियों के आधार पर तैयार किया गया है।

कभी परदे पर मुस्कुराने वाले सितारे ने कहा था- हम लोग जिंदगी को बारीकी से देखते हैं

हास्य कलाकार दुखी लोग नहीं होते हैं। हम लोग जिंदगी को बारीकी से देखते हैं। इससे हंसी की एक नई दुनिया खुलती है।

पहली बार युवावस्था में जब मैं मुंबई गया था, तो एक महीने तक संगीतकार नौशाद को ढूंढता रहा था। मुझे उम्मीद थी कि अभिनय का काम दिलाने में वह मेरी मदद करेंगे। जब कुछ नहीं हुआ, तो मैं अपने गृह शहर जयपुर लौट आया, जहां मेरे माता-पिता ने पारिवारिक कालीन की दुकान पर काम करने के लिए कहा। लेकिन मैं तो अभिनय करना चाहता था, इसलिए मैंने एफटीआईआई में दाखिले के लिए आवेदन किया, और उसके पहले बैच में दाखिला ले लिया। हालांकि, 1966 में मैंने एफटीआईआई का कोर्स पूरा कर लिया, लेकिन यह अभिनेता बनने का पासपोर्ट नहीं था। काम मिलना मुश्किल था। उस समय किसी को यकीन नहीं था कि आप किसी संस्थान से अभिनय सीख सकते हैं, इसलिए मैंने संस्थान में प्रशिक्षक की नौकरी कर ली। लेकिन छह साल तक, हर शुक्रवार शाम, मैं अभिनय के मौके ढूंढने के लिए पुणे से मुंबई डेक्कन क्वीन में जाता था। तब टिकट की कीमत छह रुपये और छह आने थी।

एक बार हृषिकेश मुखर्जी गुलजार साहब के साथ संस्थान में आए। मैंने उन्हें मुझे काम देने के बारे में याद दिलाया। हृषिदा ने कहा, 'देगा, काम देगा। पहले ये बताओ जया भादुड़ी कौन है?' ?जया तब संस्थान में छात्रा थीं। जया ने सत्यजीत रे के साथ 'महानगर' (1963) में काम किया था। रे ने ही हृषिदा से उनकी सिफारिश की थी। जया कैंटीन में चाय पी रही थीं। जब उन्हें बताया गया कि हृषिदा उससे मिलने आए हैं, तो वह उनसे मिलने के लिए दौड़ पड़ीं।?जब हृषिदा जाने वाले थे, तो मैंने उनसे पूछा, 'दादा मेरा?' उन्होंने जवाब दिया, 'तुम्हारा कुछ नहीं। जब मैं पत्र भेजूं, तो आना!' तीन महीने बाद एक चिट्ठी आई, लेकिन वह जया भादुड़ी के लिए थी। संस्थान में हलचल मच गई। लेकिन अंतत: मुझे 'गुड्डी'?में दो सीन का रोल मिल ही गया-एक ऐसे लड़के का, जो हीरो बनने आता है, लेकिन जूनियर आर्टिस्ट बन जाता है। हृषिदा ने मुझे पुणे से मुंबई तक फर्स्ट क्लास में सफर करने के पैसे भी दिए। उसके बाद मैंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। हृषिदा ने मुझे अपनी सभी फिल्मों में शामिल किया। उनके आखिरी दिनों में जब मैं उनसे मिलने अस्पताल गया, तो उन्होंने एक कागज पर 'असरानी मुखर्जी' लिखकर मुझे दिया। उनका मतलब था, 'तुम मेरे बेटे जैसे हो।' मेरे जीवन में सबसे बुरा दौर तब आया, जब मैंने 'चला मुरारी हीरो बनने' का निर्देशन करना चाहा। कोई भी मेरे साथ काम नहीं करना चाहता था। जिन दोस्तों के साथ मैं उठता-बैठता था, वे ?ही मेरी फिल्म नहीं करना चाहते थे। मैं एक सह-अभिनेता के रूप में ठीक था, निर्देशक के रूप में नहीं। वे मुझसे बचने के बहाने ढूंढते-'स्क्रिप्ट अच्छी है, लेकिन इस पर काम करो।' दरअसल, हीरो एक तरह की उलझन से ग्रस्त होते हैं कि वह तो कॉमेडियन है, उससे हुक्म क्यों लेना?

मैं स्क्रिप्ट लेकर गुलशन राय के पास भी गया था। उन्होंने मुझे एक ईमानदार सलाह दी, ?'जिस दिन तुमने खुद को निर्देशक के रूप में घोषित दिया, उसी दिन एक अभिनेता के रूप में तुम्हारी विश्वसनीयता खत्म हो गई। आईएस जौहर, महमूद, जॉनी वॉकर, देवेन वर्मा का उदाहरण ले लो।' मैं समझ गया। इसलिए भले ही मैंने चला मुरारी... फिल्म बनाई, लेकिन मैं अभिनय में लौट आया। मुझे काम के बाद अपने साथियों के साथ घुलने-मिलने की निरर्थकता का एहसास हुआ। आप पूरा दिन एक-दूसरे के साथ रहते हैं। गपशप करते रहते हैं। यह समय और ऊर्जा की बर्बादी है। अगले दिन आपको उनसे फिर मिलना होगा। यह धारणा कि हास्य कलाकार दुखी लोग होते हैं, गलत है। हां, मैं जीवन का एक पर्यवेक्षक हूं और इसी बात ने मेरी कला ?को आगे बढ़ाने में मदद की है। बड़े निर्देशक आपको अच्छा भुगतान नहीं करते हैं, लेकिन वे आपकी प्रतिभा का खूबसूरती से दोहन करते हैं। ज्यादा बातचीत करने से आपकी रचनात्मक ऊर्जा खत्म हो जाती है। मुझे इसका एहसास देर से हुआ, लेकिन तब तक मैं कई साल बर्बाद कर चुका था। यह एक गलाकाट दुनिया है। लोग आपको नीचे गिराने के लिए तैयार बैठे हैं। इसलिए पेशेवर बने रहें।

(विभिन्न साक्षात्कारों पर आधारित)

बच्चों के सेहत पर क्या असर डालती है 300 AQI वाली जहरीली हवा? जरूर बरतें सावधानियां

नई दिल्ली । दिल्ली में प्रदूषण चरम पर है, जहां AQI 300 के पार पहुंच चुका है। यह जहरीली हवा बच्चों के स्वास्थ्य के लिए बेहद खतरनाक होता है, जिससे उनमें कई गंभीर बीमारियों और संक्रमणों का जोखिम तेजी से बढ़ रहा है। आइए इस लेख में इससे बचाव के कुछ उपाय जानते हैं।

देशभर के कई बड़े शहरों में इन दिनों वायु प्रदूषण अपने चरम पर है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण दिल्ली-एनसीआर है। दिल्ली के कई हिस्सों में एक्यूआई 300 से अधिक है। वायु प्रदूषण इतना अधिक स्तर सभी लोगों को प्रभावित करता है, लेकिन इसका गहरा और गंभीर असर बच्चों के स्वास्थ्य पर देखने को मिलता है।

छोटे बच्चों के फेफड़े अभी विकसित हो रहे होते हैं, और उनकी श्वसन दर वयस्कों की तुलना में अधिक होती है, इसलिए वे प्रदूषक कणों (खासकर PM2.5) को ज्यादा मात्रा में सांस लेते हैं। शोध बताते हैं कि जहरीली हवा केवल वर्तमान की स्वास्थ्य समस्या नहीं है, बल्कि यह गर्भ में पल रहे भ्रूण तक को प्रभावित कर सकती है, जिससे समय से पहले जन्म (प्रीमेच्योर बर्थ) और जन्म के समय कम वजन जैसी समस्याएं हो रही हैं।

प्रदूषण के कारण बच्चों में न केवल अस्थमा, ब्रोंकाइटिस और निमोनिया जैसे श्वसन संक्रमणों का खतरा बढ़ता है, बल्कि यह उनके दिमागी विकास को भी प्रभावित करता है, जिससे आगे चलकर एकाग्रता में कमी और कम बुद्धिमत्ता जैसी समस्याओं का जोखिम बढ़ जाता है। यह प्रदूषण बच्चों के स्वास्थ्य के लिए बहुत गंभीरता से प्रभावित करता है, ऐसे में इसके लिए माता-पिता को विशेष रूप से सतर्क रहने की आवश्यकता है, जिसके बारे में आपको भी जानना चाहिए।

इम्यूनिटी और बीमारी का खतरा

प्रदूषण के जहरीले कण बच्चों की इम्यूनिटी को बहुत कमजोर कर देते हैं। इस वजह से बच्चों को बार-बार खांसी, जुकाम, गले में खराश और वायरल इंफेक्शन होने लगते हैं। पांच साल से कम उम्र के बच्चों के लिए यह स्थिति बहुत गंभीर और जानलेवा हो सकती है। माता-पिता को समझना चाहिए कि यह सिर्फ सामान्य सर्दी नहीं है, बल्कि कमजोर इम्यूनिटी के कारण होने वाला प्रदूषण का सीधा हमला है।

बाहर की गतिविधियों से बचाव

जब एयर क्वालिटी इंडेक्स 300 से अधिक हो, तो बच्चों को बाहर बिल्कुल न भेजें। उन्हें पार्क या खेलने के मैदान से दूर रखें। अगर स्कूल या किसी जरूरी काम के लिए बाहर जाना ही पड़े, तो उन्हें सही आकार का ह्95 मास्क जरूर पहनाएं। यह सुनिश्चित करें कि मास्क उनके मुंह और नाक को अच्छी तरह से ढके। खुली हवा में खेलने से अच्छा है कि बच्चे घर के अंदर रहें और सुरक्षित रहें।

घर के अंदर हवा साफ रखने की कोशिश करें

घर के अंदर की हवा को साफ रखना सबसे पहला और बड़ा बचाव है। इसके लिए एयर प्यूरीफायर का इस्तेमाल करें। साथ ही घर के भीतर धूपबत्ती, अगरबत्ती, मच्छर मारने वाली कॉइल और मोमबत्ती जैसी चीजों को न जलाएं, क्योंकि इनसे निकलने वाला धुआं भी हवा को प्रदूषित करता है। खिड़कियां बंद रखें ताकि बाहर की जहरीली हवा अंदर न आ सके।

आहार और चिकित्सा देखभाल

बच्चों को प्रदूषण से बचाने के लिए, उनके खाने में विटामिन सी और ई वाले फल और सब्जियां शामिल करें। हल्दी, अदरक और तुलसी का काढ़ा पीने से उनकी इम्यूनिटी बढ़ती है।

उन्हें गुनगुना पानी और तरल पदार्थ नियमित रूप से पिलाते रहें। सबसे जरूरी अगर बच्चे को सांस लेने में कोई भी दिक्कत या घरघराहट महसूस हो, तो तुरंत बाल रोग विशेषज्ञ से सलाह लें।

नोट: यह लेख मेडिकल रिपोर्टस से एकत्रित जानकारियों के आधार पर तैयार किया गया है।

FOR YOUR FAVRIOUT COLOR SAREE AND SUITS SCAN BY YOUR insta gram scnner AND CLICK ON view profile THEN

ONLINE SHOP

@FABWORK_E_STORE

संपादकीय

नया सैन्य गठजोड़ भारत के लिये चुनौती

सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच हुआ हालिया रक्षा समझौता इस बात का संकेत है कि पाकिस्तान अब अपनी सुरक्षा रणनीति को क्षेत्रीय स्तर पर फैलाने में सफल हो रहा है। यह समझौता इस सिद्धांत पर आधारित है कि अगर किसी एक देश पर हमला होता है तो दोनों की संयुक्त प्रतिक्रिया होगी। हाल ही में पाकिस्तान समेत संयुक्त अरब अमीरात, कतर और अज़रबैजान के बीच बन रहे सैन्य गठजोड़ की खबरें भारत के लिए गंभीर चिंता का विषय हैं। यह घटनाक्रम न केवल दक्षिण एशिया बल्कि मध्य एशिया और खाड़ी क्षेत्र के भू-राजनीतिक समीकरणों को भी प्रभावित कर रहा है। पाकिस्तान लगातार अपनी रक्षा और कूटनीतिक स्थिति को मज़बूत करने की दिशा में सक्रिय हुआ है और वह ऐसे देशों से निकटता बढ़ा रहा है जो भारत के रणनीतिक हितों के लिए चुनौती बन सकते हैं। भारत को इस नए उभरते गठजोड़ को केवल एक सामान्य रक्षा समझौते के रूप में नहीं देखना चाहिए, बल्कि इसे एक दीर्घकालिक रणनीतिक प्रयास के रूप में समझना चाहिए, जिसका उद्देश्य पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय स्थिति को सुधारना और भारत पर अप्रत्यक्ष दबाव बनाना है। भारत की विदेश नीति और सुरक्षा के मद्देनजर इस तरह के गठबंधन बड़ी चुनौती के लिहाज देखे जाने चाहिए। पिछले महीने पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच हुए ऐतिहासिक सैन्य समझौते, जिसके तहत एक देश पर हुआ हमला दूसरे देश पर भी माना जाएगा, की तर्ज पर ही इस सैन्य गठजोड़ का विचार सामने लाया गया है। हालांकि इन चार देशों के बीच अभी कोई औपचारिक समझौता नहीं हुआ है, लेकिन माना जा रहा है कि अगले कुछ महीनों में इसकी घोषणा हो जाएगी। गौरतलब है कि तुर्किये, पाकिस्तान और अजरबैजान का त्रिपक्षीय गठबंधन, जिसे थ्री ब्रदर्स के नाम से जाना जाता है, एक मजबूत सैन्य साझेदारी का रूप ले चुका इसके अतिरिक्त, इस्लामिक मिलिट्री काउंटर टेररिज्म कोएलिशन (आईएमसीटीसी) भी है, जिसका संस्थापक सऊदी अरब है और जिसमें चालीस से अधिक सदस्य देश शामिल हैं। इन देशों के बीच सैन्य अभ्यास, हथियार सौदे और कश्मीर जैसे मुद्दों पर इनका स्वाभाविक सामूहिक रुख भारत के लिए चिंता का विषय रहा है। इससे पाकिस्तान अपनी कुचालों का जायज ठहराने एवं अपनी रक्षा की गुहार लगाते हुए भारत पर दबाव बनाना चाहता है। नहीं भूलना चाहिए कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद जब भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर चलाया, तब ज्यादातर मुस्लिम देशों ने तटस्थ रुख अपनाया था, लेकिन तुर्किये और अजरबैजान दो ऐसे मुल्क थे, जो पूरी तरह से पाकिस्तान के समर्थन में खड़े थे। दरअसल, तुर्किये के राष्टपति तैयब अर्दोआन की इस्लामिक दुनिया के मॉडर्न खलीफा बनने की सनक का पाकिस्तान समर्थन करता है, इसी वजह से तुर्किये ने संयुक्त राष्ट में भी कश्मीर पर पाकिस्तान के रुख का खुला समर्थन किया है। सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच हुआ हालिया रक्षा समझौता इस बात का संकेत है कि पाकिस्तान अब अपनी सुरक्षा रणनीति को क्षेत्रीय स्तर पर फैलाने में सफल हो रहा है। यह समझौता इस सिद्धांत पर आधारित है कि अगर किसी एक देश पर हमला होता है तो दोनों की संयुक्त प्रतिक्रिया होगी। यह बात भारत के लिए सीधे तौर पर खतरे की घंटी है क्योंकि इससे पाकिस्तान को रक्षा सहायता, प्रशिक्षण, संसाधन और राजनीतिक समर्थन प्राप्त हो सकता है। इसी तरह पाकिस्तान अज़रबैजान, यूएई और कतर जैसे देशों के साथ भी अपने संबंधों को मजबूत करने में जुटा है। इन देशों के साथ पाकिस्तान का यह बढ़ता सामरिक सहयोग उसके लिए आर्थिक और तकनीकी लाभ भी लेकर आ सकता है, जिससे भारत के लिए क्षेत्रीय संतुलन बनाए रखना कठिन हो सकता है। भारत को इन परिस्थितियों में अपनी विदेश नीति को अधिक सशक्त और लचीला बनाना होगा। अब वह समय बीत चुका है जब भारत केवल पारंपरिक प्रतिद्वंद्विता और सीमित क्षेत्रीय चिंताओं के आधार पर नीति बनाता था। आज की दुनिया में भू-राजनीति बहुस्तरीय हो चुकी है, जहां आर्थिक संबंध, तकनीकी साझेदारी और रक्षा सहयोग एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं। भारत को चाहिए कि वह अपने खाड़ी देशों से संबंधों को और सुदृढ़ करे। यूएई और सऊदी अरब जैसे देशों के साथ भारत के आर्थिक और सांस्कृतिक संबंध पहले से ही मजबूत हैं, पर उन्हें रक्षा सहयोग के स्तर पर भी विस्तारित करने की जरूरत है। भारत यदि इन देशों के साथ रणनीतिक साझेदारी बढ़ाता है तो पाकिस्तान को क्षेत्रीय स्तर पर अलग-थलग करने में मदद मिल सकती है। साथ ही भारत को यह भी समझना होगा कि पाकिस्तान केवल सैन्य ताकत पर नहीं, बल्कि कूटनीतिक चालों और मीडिया नैरेटिव के माध्यम से भी अपनी स्थिति को मजबूत करने का प्रयास कर रहा है। ऐसे में भारत को न केवल रक्षा मोर्चे पर बल्कि कूटनीतिक और सूचनात्मक मोर्चे पर भी सक्रिय रहना होगा। भारत की नीति प्रतिक्रियात्मक न होकर सक्रिय, दूरगामी और अग्रदर्शी होनी चाहिए। भारत को यह दिखाना होगा कि वह केवल अपनी सीमाओं की रक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि क्षेत्रीय स्थिरता और वैश्विक शांति का भी एक भरोसेमंद संरक्षक है। भारत ही दुनिया से आतंकवाद को समाप्त करने की मुहिम छेड़े हुए है। भारत के लिए यह भी जरूरी है कि वह अपने मित्र देशों के साथ सामूहिक सुरक्षा दृष्टिकोण विकसित करे। जिस तरह अमेरिका और यूरोपीय संघ सामूहिक रक्षा नीति पर चलते हैं, उसी तरह भारत को भी इंडो-पैसिफिक क्षेत्र, एसोसिएशन ऑफ साउथइस्ट ऐशियन नेशनस् -देशों और मध्य पूर्व में सहयोगी नेटवर्क को सुदृढ़ करना चाहिए। यह केवल सैन्य दृष्टि से नहीं बल्कि कूटनीतिक और आर्थिक दृष्टि से भी भारत की स्थिति को मजबूत करेगा। पाकिस्तान की नई विदेश नीति की दिशा साफ है- वह भारत को घेरने की कोशिश कर रहा है, चाहे वह चीन के साथ सीपेक परियोजना के माध्यम से हो या अब मध्य-पूर्व के देशों के साथ रक्षा सहयोग के जरिए। भारत को इस घेराबंदी को तोड़ने के लिए तीन दिशा में एक साथ काम करना होगा-अपनी रक्षा क्षमता को आधुनिक बनाना, विदेश नीति में सक्रियता लाना, और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की सकारात्मक छवि को और प्रखर बनाना। यह स्थिति भारत के लिए केवल एक चुनौती नहीं बल्कि अपनी सामरिक दूरदर्शिता को सिद्ध करने का अवसर भी है। भारत यदि समय रहते अपने पड़ोस में बढ़ते इस सैन्य गठजोड़ की गंभीरता को समझ लेता है और सक्रिय कदम उठाता है, तो वह न केवल पाकिस्तान की कूटनीतिक चालों को निष्प्रभावी बना सकता है, बल्कि दक्षिण एशिया को स्थिरता और सहयोग के नए मॉडल के रूप में प्रस्तुत कर सकता है। इन चार राष्ट्रों का सैन्य गठबंधन भारत के लिए एक चेतावनी है कि भू-राजनीति में देशों के बीच धार्मिक एकजुटता नए रूप में सामने आ रही है, ऐसे में क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा बनी रहे, इसके लिए भारत को अपनी रक्षा क्षमताओं को मजबूत करते हुए कूटनीतिक मोर्चे पर भी सक्रिय बने रहना होगा। भारत पिछले कई वर्षों से पाकिस्तान, तुर्की और अजरबैजान को काउंटर करने के लिए अलग-अलग रणनीतियों पर काम कर रहा है। इनमें इन तीनों देशों के दुश्मनों की मदद से लेकर इन्हें आर्थिक तरीके से चोट पहुंचाना भी शामिल है। पाकिस्तान के खिलाफ भारत के कदमों से हर कोई परिचित है। अब बात करते हैं तुर्की की। भारत ने तुर्की को काउंटर करने के लिए उसके सबसे बड़े दुश्मन ग्रीस के साथ रक्षा संबंधों को मजबूत किया है। इसके अलावा भारत ने साइप्रस के मुद्दे को भी अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उठाना शुरू किया है, जिसकी जमीन पर तुर्की ने अवैध रूप पर कब्जा जमाया हुआ है। वहीं, भारत ने तुर्की को अपने बाजार में प्रवेश को लेकर भी सख्तियां बरती है। इस सैन्य गठजोड़ के हकीकत बनने की सूरत में भारत के लिए जरूरी होगा कि वह आर्मेनिया, ग्रीस और साइप्रस के साथ अपने संबंध मजबूत करे और यूएई के साथ भी द्विपक्षीय रिश्तों को और प्रगाढ़ बनाए, जो भारत का बड़ा व्यापारिक भागीदार रहा है और आम तौर पर इस्लामिक मुद्दों पर तटस्थ रुख रखता है।

BJP नेता की गोली मार हत्या, CCTV से तलाशे जा रहे नकाबपोश बदमाश; TI समेत प्रधान आरक्षक लाइन अटैच

कटनी । मध्यप्रदेश की सुर्खियों में छाया गौ सेवा प्रमुख हत्याकांड मामले पर नया मोड़ सामने आया है। जहां पुलिस ने वारदात के कुछ घंटे बाद ही संदिग्ध आरोपियों के ठिकानों पर दबिश दी। इस दौरान मुख्य आरोपी प्रिंस जोसेफ के घर छापे के वक्त उसके पिता ने फांसी लगाकर जान दे दी। घटना के बाद क्षेत्र में तनाव फैल गया है और पुलिस बल तैनात किया गया है।

दरअसल मंगलवार सुबह कैमोर थाना क्षेत्र के एसीसी गेस्ट हाउस के समीप मंगलवार सुबह करीब साढ़े 10 से 11 बजे के बीच जैसे ही बजरंग बल पूर्व गौ सेवा प्रमुख नीलेश रजक जब किसी काम से बड़ौदा बैंक के पास पहुंचे, तभी बाइक पर सवार दो नकाबपोश बदमाशों ने उन पर 5 से 6 राउंड फायरिंग की। गोलियां सिर और सीने में लगने से नीलेश गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तुरंत विजयराघवगढ़ अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

घटना के बाद एक्शन मोड ने आई पुलिस ने तत्काल आस पास लगे ष्टष्टञ्जङ्क फुटेज से खंगालते हुए पुलिस ने दोनों आरोपियों की पहचान कर ली। हालांकि घटना के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। वहीं घटना के बाद पूर्व भाजपा प्रदेशाध्यक्ष समेत अन्य नेताओं ने घटना की निंदा करते हुए आरोपियों को जल्द गिरफ्तारी का आश्वासन दिलाया है। उन्होंने कहा कि इस विषय में सीएम और डीजीपी से बातचीत की जाएगी। आपको बता दें नीलेश रजक लंबे वक्त से बजरंग दल में गौ सेवा प्रमुख रहे, उसके साथ वो वर्तमान ने भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के मंडल अध्यक्ष रहे। वहीं घटना को लेकर विश्व हिंदू विश्व परिषद् ने भी - पर पोस्ट किया है।

इसमें दो संदिग्धों की पहचान प्रिंस जोसेफ और अकरम के रूप में हुई। दोनों आरोपियों की तलाश में पुलिस ने देर शाम तक कई जगह दबिश दी। इसी दौरान प्रिंस जोसेफ के घर पुलिस पहुंची, जहां छापेमारी के दौरान उसके पिता ने खुदकुशी कर ली। इस घटना से माहौल और अधिक गर्म हो गया। गोलीकांड और उसके बाद हुई आत्महत्या की घटना से कटनी और आसपास के इलाकों में तनाव का माहौल है। स्थिति को देखते हुए पुलिस ने अतिरिक्त बल तैनात कर दिया है और लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है। वरिष्ठ अधिकारी हर पहलू से जांच में जुटे हैं और दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास तेज कर दिए गए हैं। पूरे मामले पर कटनी पुलिस अधीक्षक अभिनव विश्वकर्मा ने बताया कि नीलेश रजक को दो नकाबपोशों द्वारा खुलेआम एसीसी गेस्ट हाउस के पास गोली मारकर हत्या किया गया था। हालांकि हत्या के पीछे की वजह अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है, लेकिन पुलिस आरोपियों की तलाश के लिए ष्टष्टञ्जङ्क फुटेज खंगाल रही है। जल्द आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा। वहीं पूरे घटनाक्रम के बाद कैमोर थाना प्रभारी अरविंद्र चौबे समेत प्रधान आरक्षक को लाइन अटैच कर दिया है।

कुत्ते को बचाने में एक्टिवा से फिसला इंजीनियर पीछे से आ रहे क्रूजर ने रौंद डाला, पिता घायल

उज्जैन । उज्जैन के नानाखेड़ा बस स्टैंड के पास मंगलवार सुबह सड़क हादसे में आईटी इंजीनियर जय श्रीवास्तव (24) की मौत हो गई, जबकि उनके पिता विजय श्रीवास्तव गंभीर रूप से घायल हुए। एक्टिवा से जाते समय कुत्ते को बचाने के प्रयास में वे गिर गए और पीछे से आई क्रूजर की चपेट में आ गए।

नानाखेड़ा बस स्टैंड के पास मंगलवार को दर्दनाक हादसा हो गया। इसमें युवा इंजीनियर की मौत हो गई, जबकि पिता प्रॉपर्टी डीलर गंभीर घायल है। मृतक युवक भाजपा नेता अमित श्रीवास्तव का भतीजा और घायल भाई हैं।

घटना मंगलवार सुबह हुई। ऋषिनगर निवासी विजय पिता कैलाश श्रीवास्तव अपने बेटे आईटी इंजीनियर जय (24) को इंदौर जाने के लिए नानाखेड़ा बस स्टैंड छोड़ने जा रहे थे। एक्टिवा जय चला रहा था। अवंतिका होटल के सामने अचानक कुत्ता आ गया। उसे बचाने के प्रयास में दोनों गिर गए और पीछे से आ रहे क्रूजर वाहन की चपेट में आने से जय गंभीर घायल हो गया, जबकि पिता विजय भी दूसरी साइड गिरने पर गंभीर घायल हो गए।

पुलिस टीम ने तुरंत दोनों को अस्पताल भेजा, घटना के वक्त सीएम ड्यूटी में तैनात पुलिस बल भी पास ही था। अस्पताल में डॉक्टरों ने जय को मृत घोषित कर दिया और पिता विजय की हालत स्थिर बनी हुई है। बेंगलुरू की कंपनी में जॉब करते थे मृतक जय आईटी इंजीनियर था और बेंगलुरू की कंपनी में नौकरी करता था। फिलहाल वह वर्क फ्रॉम होम पर था और जरूरी काम से मंगलवार को इंदौर ऑफिस जा रहा था। पिता विजय उसे छोड़ने नानाखेड़ा बस स्टैंड जा रहे थे लेकिन रास्ते में हादसा हो गया। जय भाजपा नेता अमित श्रीवास्तव का भतीजा है। पुलिस हादसे की जांच कर आगे कार्रवाई कर रही है।

जुनापानी, शाहपुरा एवं आंगनवाड़ी केंद्र कोंडापुरा में आयुष शिविरो का हुआ आयोजन

130 से अधिक रोगियों का परीक्षण एवं उपचार किया

खरगोन । कलेक्टर सुश्री भव्या मित्तल के निर्देशन एवं जिला आयुष अधिकारी डॉ. वासुदेव आसलकर के मार्गदर्शन में जिले के विभिन्न आयुष संस्थानों द्वारा निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविरों का आयोजन किया गया। शासकीय आयुर्वेद औषधालय धुलकोट द्वारा शासकीय प्राथमिक शाला जुनापानी (जुनाबिलवा) में डॉ. बी.एस. बड़ोले ने विद्यार्थियों व ग्रामीणों का उपचार कर आयुर्वेदिक जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। साथ ही स्वच्छता अभियान भी चलाया गया।

इसी प्रकार आयुष्मान आरोग्य मंदिर बजरंगपुर द्वारा ग्राम शाहपुरा बेड़ी के आंगनवाड़ी केंद्र में डॉ. भरत मनाग्रे एवं डॉ. प्रखर काग ने वातरोग, चर्मरोग, ज्वर, कास, प्रदररोग सहित

विभिन्न रोगों का उपचार किया, जिसमें कुल 73 रोगियों की जांच की गई। वहीं शासकीय आयुर्वेद औषधालय लोहारी द्वारा आंगनवाड़ी केंद्र कोंडापुरा में डॉ. सुरेंद्र सिंह मंडलोई ने 57 ग्रामीणों एवं विद्यालयीन बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कर सिकल सेल एनीमिया के प्रति जागरूक किया। औषधालय स्टाफ, स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं एवं आंगनवाड़ी कर्मचारियों के सहयोग से इन तीनों शिविरों में कुल 130 से अधिक लाभार्थियों का परीक्षण एवं उपचार किया गया।

मध्य प्रदेश कांग्रेस ने SIR पुनर्समीक्षा की रखी मांग, चुनाव आयोग को सुझाव भी दिए

मध्य प्रदेश कांग्रेस ने चुनाव आयोग से विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया की समीक्षा की मांग की है. पार्टी ने नए मतदान केंद्रों में बीएलओ की नियुक्ति न होने, प्रक्रिया में जल्दबाजी, और फर्जी नामों को हटाने-जोड़ने के मानदंडों पर आपत्ति जताई है. कांग्रेस ने मतदाता सूची में सुधार के लिए आधार लिंकिंग, बीएलओ द्वारा सत्यापन और मकान नंबरों की जांच जैसे महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए हैं. मध्य प्रदेश कांग्रेस ने चुनाव आयोग से विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया की फिर से समीक्षा की मांग की है. कांग्रेस पार्टी की ओर से चुनाव आयोग के कार्यों और आपत्ति जताई गई है और सुझाव भी दिए गए हैं. पार्टी ने कहा है कि 7000 नए मतदान केंद्रों को बिना ब्लह नियुक्त किए शामिल किया गया है जो कि नियमों के खिलाफ है.

कांग्रेस पार्टी ने कहा है कि एसआईआर की प्रक्रिया बहुत जल्दबाजी में की जा रही है. एक महीने 8 दिन में मध्य प्रदेश के 5 करोड़ 74 लाख मतदाताओं की गणना संभव नहीं है. इसके साथ-साथ पार्टी की ओर से बीएलओ की ओर से प्रत्येक मतदाता के निवास पर तीन बार जाने की प्रक्रिया को केवल औपचारिक बताया गया है और कहा गया है कि इतने कम समय में ऐसा संभव नहीं है.

लंबे समय से एक ही जगह तैनात बीएलओ के ट्रांसफर की मांग

पार्टी ने कहा है कि जिन गणना पत्रकों की वापसी नहीं होती है उनके आधार पर नाम हटाना या जोड़ना उचित नहीं है. ऐसे नाम मतदाता सूची 2025 से नहीं हटाए जाने चाहिए. गणना पत्रक स्थानीय भाषा में साफ व स्पष्ट रूप से वितरित किए जाने चाहिए. जो बीएलओ लंबे समय से एक ही क्षेत्र में कार्यरत हैं उन्हें बदला जाना चाहिए या ट्रांसफर किया जाना चाहिए.

कांग्रेस ने चुनाव आयोग को सुझाव दिया है कि मतदाताओं के फोटो और आधार कार्ड को जोड़ने की सिफारिश की गई है. एक ही निवास पर 10-15 से अधिक मतदाताओं के नाम पाए जाने पर BLO द्वारा सत्यापन और रिपोर्ट जरूरी होनी चाहिए. साथ ही साथ यह भी मांग की गई है कि वोटर लिस्ट में किसी भी मतदाता का मकान नंबर शून्य नहीं होना चाहिए और नई मकान संख्या प्रशासन से आवंटित कराई जानी चाहिए.

12 राज्यों में आज से शुरू हो गया SIR

दरअसल, चुनाव आयोग ने सोमवार को एसआईआर के दूसरे चरण का ऐलान कर दिया. चुनाव आयोग ने कहा है कि 12 राज्यों में एसआईआर कराया जाएगा. इसमें यूपी और मध्य प्रदेश भी शामिल हैं. साथ ही साथ आयोग ने यह भी कहा है कि आधार कार्ड जन्म प्रमाण पत्र नहीं हो सकता है. आधार के कई और भी इस्तेमाल हैं. जिसके बाद से सियासत गरमा गई है और विपक्ष लगातार चुनाव आयोग पर हमलावर है.

मंत्री विजयवर्गीय की मेट्रो स्टेशन नहीं बनने की घोषणा के बावजूद मिट्टी परीक्षण के लिए पहुंची टीम

इंदौर । पिछले दिनों एक नंबर विधानसभा क्षेत्र के विधायक व मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने मंच से सार्वजनिक तौर पर घोषणा की है कि मल्हारगंज में मेट्रो स्टेशन नहीं बनेगा। उसके लिए दूसरा स्थान खोजा रहा है।

मल्हारगंज क्षेत्र में फिर से मेट्रो प्रोजेक्ट को लेकर मिट्टी परीक्षण शुरू किया है। इससे स्थानीय लोगों में नाराजगी फैल गई है। रहवासियों का कहना है कि पहले ही सार्वजनिक रूप से घोषणा की गई थी कि मल्हारगंज में न तो मेट्रो स्टेशन बनेगा और न ही लाइन गुजरेगी। इसके बावजूद अधिकारी मिट्टी परीक्षण कर रहे हैं, जिस पर उन्हें विरोध का सामना करना पड़ा। अधिकारियों का कहना है कि उन्हें अभी तक कोई लिखित आदेश नहीं मिला है, इसलिए परीक्षण जारी है। यह नियमित सर्वे है।

रहवासियों का मानना है कि यदि मेट्रो लाइन या स्टेशन यहाँ बनाया गया तो कई घर प्रभावित होंगे और लोगों को घर छोड़ने पड़ेंगे। इस 30 अक्टूबर को एक बैठक होगी। जिसमें इस मुद्दे को रहवासी रखेंगे।

आपको बता दे कि मल्हारगंज में मेट्रो स्टेशन अंडरग्राउंड बनाया जा रहा है। इसके लिए जमीन अधिगृहित करने के लिए कुछ रहवासियों को नोटिस दिए गए है। बीते सालभर से स्टेशन को लेकर रहवासी विरोध जता रहे थे। पिछले दिनों एक नंबर विधानसभा क्षेत्र के विधायक व मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने मंच से सार्वजनिक तौर पर घोषणा की है कि मल्हारगंज में मेट्रो स्टेशन नहीं बनेगा। उसके लिए दूसरा स्थान खोजा रहा है।

राजवाड़ा के अंडरग्राउंड स्टेशन के लिए भी हो चुका है विरोध

इंदौर में दस किलोमीटर से ज्याद लंबाई में मेट्रो का अंडरग्राउंड रुट बनना है। इसके लिए जगह-जगह मिट्टी परीक्षण भी किए जा रहे है। प्रोजेक्ट में राजवाड़ा चौक के नीचे मेट्रो स्टेशन प्रस्तावित था, लेकिन पूर्व लोकसभा स्पीकर सुमित्रा महाजन ने इस मामले में नाराजगी जताई थी और तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को पत्र लिखा था। इसके बाद प्लानिंग से मेट्रो स्टेशन हटाकर जूना रिसाला क्षेत्र में किया गया।

बाबा बागेश्वर बोले- हमें बदनाम करने के लिए विदेशी ताकतें बनवा रहीं फेक AI वीडियो

छतरपुर । बागेश्वर धाम के दिव्य दरबार में धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि विदेशी ताकतें और IT की 22 सदस्यीय टीम एआई के जरिए उनके फेक वीडियो बनाकर बदनाम करने की साजिश कर रही हैं। उन्होंने भक्तों से कहा कि वे उनके नहीं, बल्कि हनुमान जी के चरणों में श्रद्धा रखें।

बागेश्वर धाम पर आयोजित दिव्य दरबार के मध्य बागेश्वर महाराज ने भक्तों से कहा कि हमें बदनाम करने के लिए विदेशी ताकतें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एआई का सहारा लेकर हमारे कई तरह की गलत वीडियो बनाकर बदनाम करने में लगी हुई हैं। इसके लिए IT की कई सदस्यीय स्पॉन्सर्ड टीमें लगाई गईं। जिनका कार्य हमारे ढ्ढ वीडियो जनरेट कर गलत तरीके से बनाकर उन्हें वायरल करना है। जिससे हमारी बदनामी हो सके।

बाबा बागेश्वर धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि हम आप सभी भक्तों से यही कहना चाहते हैं कि आप सभी लोग हमारे चक्कर में न पड़कर हमारे बालाजी के चक्कर में पड़ें। उनके चरणों में आप सभी लोग जाएं। महराज श्री ने मिली जानकारी को साझा करते हुए बताया कि हम खुले मंचों से हली उल्लाह वालों की ठठरी बांधते, तो वे क्या चुप बैठे होंगे? उनका जितना बस होगा, उतना ही वह हमारे बुरा करते होंगे और हमारे पीछे बड़ी-बड़ी विदेशी ताकतें हमे गिराने के लिए प्रतिदिन लगी हुई हैं। आप सभी को एक जानकारी दें हमारे ही किसी बहुत बड़े पद पर बैठे पदाधिकारी ने बताया कि आप के लिए पूरी IT की 22 सदस्यीय टीम आपके पीछे लगी हुई है। AI जनरेटिव फेक वीडियो बनाकर सिर्फ़ वायरल के लिए और उन वीडियो को स्पोंसर्ड करते हैं, जिसमें पैसे लगाए जाते हैं वायरल के लिए। हम जैसे कमरे में रहते हैं, वैसे ही हम बाहर रहते हैं।

बाबा ने कहा कि जो भगवान करेंगे, वो होगा। उन्हीं के भरोसे हैं। कई तांत्रिकों की दुकान बंद हो गई, क्या वे चुप बैठे होंगे। उनके पास जितनी शक्तियां होंगी, सब छोड़ते होंगे। हमारी रक्षा बालाजी संन्यासी बाबा करते हैं। भक्तों से कहा कि पूरी पृथ्वी तुम्हारे विरोध में लग जाए, अगर हनुमान जी तुम्हारे साथ हों तो कोई भी कुछ नहीं कर सकता। अंत में महाराज श्री ने कहा कि आप सभी हमारे चक्कर में नहीं, हनुमान जी के चक्कर में पड़ो।

मानव संग्रहालय में संगोष्ठी में सीएम यादव बोले- जीवन का सच्चा अर्थ सिखाती है प्रकृति के प्रति आस्था

भोपाल । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जलवायु परिवर्तन पर वैचारिक संगोष्ठी का शुभारंभ किया। भारतीय संस्कृति में प्रकृति संरक्षण की परंपरा पर जोर दिया। मध्य प्रदेश सौर ऊर्जा और ग्रीन कवर बढ़ाने में अग्रणी, ब्राजील सम्मेलन के लिए सुझाव तैयार होंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पर्यावरण और जीवन शैली-जलवायु परिवर्तन और सतत विकास वैचारिक संगोष्ठी को संबोधित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राज्य नीति आयोग, मध्य प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद और एप्को के संयुक्त तत्वावधान में मानव संग्रहालय में आयोजित संगोष्ठी का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। नर्मदा समग्र, सिकोईडिकोन, पैरवी और राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, कार्यक्रम के सह आयोजक हैं।

जलवायु परिवर्तन के समाधान में राज्यों की भूमिका पर विचार विमर्श और व्यक्ति-समाज एवं सरकारों की सहभागिता से सतत विकास के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करना संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य है।

सीएम ने कहा कि प्रकृति के प्रति आस्था ही हमें जीवन का सच्चा अर्थ सिखाती है। भारतीय संस्कृति ने सदैव प्रकृति के साथ सामंजस्य से जीने की परंपरा अपनाई है। दुनिया के कई देश प्रकृति का दोहन कर रहे हैं पर भारत ने सदियों से प्रकृति का पोषण किया है। उपभोग प्रधान जीवन शैली वर्तमान के जलवायु संकट को बढ़ाती है जबकि उपयोग से पहले संरक्षण की समझ और भोग से पहले योग का संतुलन ही भारतीय संस्कृति का सार है। भोपाल प्रकृति और प्रगति का अनूठा संगम है। प्राकृतिक सुंदरता और जैव-विविधता सहेजे इस सुंदर शहर में जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण संरक्षण को लेकर कार्यशाला का आयोजन शहर की विशेषता के अनुरूप है।

भाजपा कार्यालय में जमकर हंगामा, अध्यक्ष के फोटो पर कालिख पोती, नई कार्यकारिणी पर फूटा गुस्सा

इंदौर । भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा द्वारा घोषित नई कार्यकारिणी पर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। नाराज कार्यकर्ताओं ने भाजपा कार्यालय में सुमित मिश्रा के नाम की कालिख पोती, पोस्टर फाड़े और 28 से अधिक लोगों ने इस्तीफा दे दिया।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने अपनी नियुक्ति के लगभग 9 महीने बाद मंगलवार को नई नगर कार्यकारिणी की घोषणा कर दी। इस 33 सदस्यीय टीम में 8 उपाध्यक्ष, 3 महामंत्री और 8 मंत्री शामिल हैं। हालांकि, सूची जारी होते ही पार्टी के भीतर भूचाल आ गया।

जीतू जिराती के समर्थकों ने किया हंगामा

कार्यकारिणी की घोषणा के तुरंत बाद, नाराज भाजपा कार्यकर्ता और खाती समाज के लोग भाजपा कार्यालय पहुंचे। ये पूर्व विधायक जीतू जिराती के समर्थक बताए जा रहे हैं। उन्होंने नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और सुमित मिश्रा गुंडा है के नारे लगाए। प्रदर्शनकारियों ने मिश्रा के केबिन के बाहर लगी नेमप्लेट और गेट पर कालिख पोत दी। इतना ही नहीं, कार्यालय के बाहर लगे पोस्टर में भी सुमित मिश्रा के चेहरे पर कालिख पोती गई और बाद में पोस्टर फाड़ दिया गया। इस हंगामे के बीच 28 से अधिक कार्यकर्ताओं ने अपने इस्तीफे की पेशकश कर दी।

खाती समाज की नाराजगी

खाती समाज के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पवन चौधरी ने आरोप लगाया कि भाजपा उनके समाज की लगातार उपेक्षा कर रही है। उन्होंने कहा, ‘हमारे नेता जीतू जिराती को पार्टी व्यक्तिगत रूप से निशाना बना रही है। हम जीतू पटवारी (कांग्रेस) को नजरअंदाज कर जीतू जिराती के कहने पर भाजपा को वोट देते आए हैं, लेकिन उनके समर्थकों को ही पदाधिकारी नहीं बनाया जा रहा है।

कांग्रेस ने कहा- भाजपा का असली चेहरा उजागर हो गया

म.प्र.कांग्रेस कमेटी के प्रदेश महासचिव राकेश सिंह यादव ने कहा कि भाजपा के संस्कार और संस्कृति का चाल चरित्र और चेहरा उजागर हो गया हैं। गोडसेवादी भाजपा में विरोध भी गोडसे पद्धति से हुआ है। भाजपा की इंदौर नगर कार्यकारिणी भाजपा तानाशाही का प्रतीक बन गई है। भाजपा के संस्कारों पर कालिख पोत दी गई है।

राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को दी गई एसआईआर के बारे में जानकारी

ग्वालियर । भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी किए गए मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम के बारे में राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के जिले के प्रतिनिधियों को विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती रुचिका चौहान ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट के सभागार में आयोजित हुई बैठक में राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत शुद्ध मतदाता सूची तैयार करने से संबंधित प्रक्रिया के बारे में भी विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत मृत, स्थानांतरित, डुप्लीकेट व अपात्र मतदाता हटाने का काम किया जायेगा। साथ ही नए मतदाता जोड़े जायेंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी ने राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से आग्रह किया कि एसआईआर में सहयोग के लिये अपने-अपने बीएलए (बूथ लेवल एजेंट) अवश्य नियुक्त करें।

बैठक में जानकारी दी गई कि स्वतंत्रता के बाद भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूचियों का यह 9वां विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य किया जा रहा है। मध्यप्रदेश में इससे पहले वर्ष 2002-2004 में विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्य किया गया था।

सनावद जा रही बस में नवजात को छोड़ गए दंपती, सामान लेकर आने का बहाना बनाकर रफूचक्कर

इंदौर । शहर के सरवटे बस स्टैंड पर खड़ी एक बस के अंदर लावारिस हालत में एक शिशु मिलने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। बस सनावद जाने लिए स्टैंड पर खड़ी थी। बस के कंडक्टर ने इस बात की सूचना छोटी ग्वालटोली पुलिस को दी।

शहर के सरवटे बस स्टैंड पर खड़ी एक बस के अंदर लावारिस हालत में एक शिशु मिलने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। बस सनावद जाने लिए स्टैंड पर खड़ी थी। बस के कंडक्टर ने इस बात की सूचना छोटी ग्वालटोली पुलिस को दी। पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल कर दंपती का पता लगा रही है।

बस में सवार यात्रियों का कहना है कि दंपती की उम्र 45 साल से ज्यादा की रही होगी। पुलिस ने नवजात को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। शिशु फिलहाल ठीक है। यह घटना मंगलवार को सरवटे बस स्टैंड पर हुई। एक निजी बस सनावद जाने के लिए खड़ी थी। उसमें यात्री भी सवार हो गए थे और बस रवाना होने वाली थी। इसी दौरान एक पुरुष और एक महिला बस में सवार हुए। वे कुछ देर बाद कंडक्टर से यह कहकर उतरे कि वे अपना कुछ सामान लेने जा रहे हैं।

सीट के नीचे छोड़ा

दंपती बच्चे को सीट के नीचे छोड़कर चले गए। काफी देर तक वे नहीं लौटे और सीट के नीचे नवजात के होने का पता चला तो कंडक्टर ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस अब इस अज्ञात दंपती की तलाश कर रही है। पुलिस को आशंका है कि बच्चा दंपती का नहीं है, क्योंकि वह दो-तीन दिन का है। बच्चा दंपती के परिवार के किसी सदस्य का हो सकता है।

मामूली विवाद इतना बढ़ा कि बेटे ने मां की गर्दन पर दे मारी कुल्हाड़ी, पड़ोसियों ने पहुंचाया अस्पताल

मंडला । मंडला जिले के लाटो गांव में बेटे ने मामूली विवाद के बाद 60 वर्षीय मां पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। महिला गंभीर रूप से घायल होकर अस्पताल में भर्ती है। आरोपी बेटा फरार है। पुलिस ने हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। मामला पारिवारिक कलह से जुड़ा है।

मंडला जिले के घुघरी थाना क्षेत्र के लाटो ग्राम में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक बेटे ने मामूली विवाद के बाद 60 वर्षीय मां पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल मां को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत नाजुक बनी हुई है।

घटना रविवार देर शाम लाटो गांव के मुकद्दम टोला में हुई। जानकारी के अनुसार, ग्राम निवासी भागवती यादव उम्र 60 का उनके बेटे कत्तू लाल यादव उम्र 38 के साथ किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया था। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि गुस्से में आए कत्तू लाल ने घर में रखी कुल्हाड़ी उठा ली और मां के गर्दन पर वार कर दिया। वार इतना तेज था कि भागवती मौके पर ही लहूलुहान होकर गिर पड़ीं। चीख-पुकार सुनकर पड़ोसी और परिजन मौके पर पहुंचे और घायल महिला को तुरंत घुघरी अस्पताल ले गए। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद बताया कि चोट गंभीर है और महिला की हालत चिंताजनक बनी हुई है।

घटना की सूचना मिलते ही घुघरी थाना प्रभारी पूजा बघेल पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचीं। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आसपास के लोगों से पूछताछ की। बताया गया कि वारदात के बाद आरोपी बेटा कत्तू लाल यादव मौके से फरार हो गया है। थाना प्रभारी पूजा बघेल ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह मामला पारिवारिक कलह का प्रतीत होता है। आरोपी की पत्नी और उसकी मां के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। इसी तनाव के चलते घर का माहौल अक्सर बिगड़ता रहता था। रविवार को भी इसी तरह की कहासुनी के बाद बेटे ने गुस्से में यह कदम उठा लिया।

पुलिस ने आरोपी कत्तू लाल यादव के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है और उसकी तलाश शुरू कर दी गई है। आसपास के इलाकों में पुलिस की टीमें सर्च अभियान चला रही हैं। थाना प्रभारी ने बताया कि मामले की गहराई से जांच की जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि वारदात के पीछे असली वजह क्या थी। फिलहाल घायल महिला का इलाज जारी है और पुलिस आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दे रही है। ग्रामीणों ने भी इस घटना पर अफसोस जताया और प्रशासन से आरोपी की जल्द गिरफ्तारी की मांग की है।

पत्नी अकेले रहने की जिद कर रही, अब साथ रहना, राजगढ़ के पति ने डाक से भेजा 'तलाकनामा'

एमपी के राजगढ़ जिले में एक मुस्लिम महिला को उसके पति ने डाक से तलाक का पत्र भेजकर रिश्ता खत्म करने का मामला सामने आया है मामले में राजस्थान के छीपाबड़ौद निवासी पति ने पत्र में लिखा कि पत्नी के मायके से अलग रहने की जिद के कारण अब साथ रहना संभव नहीं है.

मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले के भोजपुर कस्बे की रहने वाली एक मुस्लिम महिला को उसके पति ने डाक से तलाक का पत्र भेज दिया. यह पत्र राजस्थान के छीपाबड़ौद कस्बे से भेजा गया था. इस तलाक पत्र में उसने लिखा है कि पत्नी के 'माता-पिता से अलग रहकर साथ रहने की जिद' के कारण उनका वैवाहिक जीवन बिगड़ गया है. इसके चलते उन अब साथ रहना संभव नहीं है.

मामले में 24 अक्टूबर को डाकिए के जरिए महिला के घर एक पत्र पहुंचा. पत्र को देख शाइन के पैरों तले जमीन खिसक गई. उस लिफाफे में पति का लिखा तलाकनामा था. पत्र में लिखा- 'मैं सद्धाम मंसूरी निवासी राजस्थान छीपाबड़ौद, खुदा को हाजिर-नाजिर मानकर मुस्लिम शरीयत के अनुसार अपनी पत्नी शाइन मंसूरी निवासी भोजपुर को प्रथम तलाक देता हूं.'

महिला ने क्या कहा?

इसके संबंध में महिला शाइन मंसूरी (23) ने बताया कि जब पोस्टमैन पत्र देकर गया, तब उसे पता चला कि उसके पति ने उसे लिखित में तलाक भेजा है. शाइन ने बताया कि उसकी शादी 11 फरवरी 2021 को राजस्थान के छीपाबड़ौद के निवासी सद्धाम मंसूरी (25) से मुस्लिम रीति-रिवाज से हुई थी. शादी के दो साल तक सब ठीक चला, लेकिन पिछले दो सालों से पति का व्यवहार पूरी तरह बदल गया.

महिला ने लगाया आरोप

महिला ने पति पर आरोप लगाया कि 'वो मुझ पर शक करता था, मुझसे मारपीट करता था. कई बार ताले में बंद करके रखता था, किसी से बात नहीं करने देता था, यहां तक कि मायके वालों से भी बात नहीं करने देता था. वो मुझे तेजाब से जलाने की धमकी देता था. मामले में महिला के एक दो साल का बेटा है. उसने बताया कि चार महीने पहले पति ने उसे घर से निकाल दिया था. तब से वह अपने मायके भोजपुर में अपने पिता के यह रह रही है.

पुलिस और कोर्ट का दरवाजा खटखटाया

महिला ने बताया कि उसने भोजपुर थाने में शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन सुनवाई नहीं हुई. इसके बाद उसने कोर्ट में केस दायर किया. इसी बीच अब पति ने डाक से तलाकनामा भेजकर रिश्ता खत्म करने की बात लिखी है. महिला ने कहा 'मैं तलाक नहीं चाहती. मेरे एक छोटा बच्चा है. मैं अपने पति के साथ रहना चाहती हूं, लेकिन उन्होंने मुझे इस तरह से तलाक भेज दिया.'

रतलाम में रात को हुई तूफानी बारिश, खेतों में भरा पानी, गेहूं, चना व मटर की बोवनी प्रभावित

रतलाम । रतलाम जिले में दो दिन से जारी बारिश से किसानों की परेशानी बढ़ गई है। 24 घंटे में 2.77 इंच वर्षा दर्ज की गई। गेहूं, चना और मटर की फसलें प्रभावित हुई तथा आलोट मंडी में खुले में रखी उपज भी भीग गई। कई किसानों को गेहूं की दोबारा बोवनी करनी पड़ेगी।

अतिवृष्टि से सोयाबीन की फसल चौपट होने के बाद किसान अभी उबर भी नहीं पाए थे कि जिले में दो दिन से जारी बारिश ने उनकी चिंता फिर बढ़ा दी है। पिछले 24 घंटे में रतलाम जिले में करीब 2.77 इंच (पौने तीन इंच) बारिश दर्ज की गई। रतलाम शहर सहित ग्रामीण इलाकों में झमाझम बारिश से खेतों में पानी भर गया है। इससे गेहूं, चना और मटर की फसलों पर असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है। वहीं, गेहूं और चना बोने की तैयारी में जुटे किसानों को अब खेत सूखने का इंतजार करना पड़ेगा।

26 अक्टूबर की रात से मौसम ने करवट ली थी। पहले हल्की बूंदाबांदी हुई, जबकि 27 अक्टूबर को सुबह से शाम तक रुक-रुक कर

बारिश होती रही। शाम चार बजे से रात नौ बजे तक रतलाम शहर और आसपास के गांवों में तेज बारिश हुई। रात दो से चार बजे के बीच तूफानी बारिश से सड़कों पर पानी भर गया।

मौसम विभाग के अनुसार, पिछले 24 घंटे में पिपलोदा तहसील में सर्वाधिक 3.54 इंच, सैलाना में 3.22 इंच, रतलाम में 3.07 इंच, आलोट में 2.83 इंच, बाजना में 2.51 इंच, ताल में 1.96 इंच और रावटी में 1.53 इंच वर्षा दर्ज की गई। विभाग ने 28 अक्टूबर को रतलाम सहित आसपास के जिलों के लिए 'येलो अलर्ट' जारी किया है। हालांकि मंगलवार सुबह मौसम साफ रहा। बारिश से तापमान में करीब 8 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आई है।

खुले में रखी फसल भीगी, व्यापारियों को नुकसान

आलोट कृषि उपज मंडी में खुले में रखी सोयाबीन और गेहूं की फसल बारिश से भीग गई, जिससे किसानों और व्यापारियों को नुकसान हुआ। सोमवार को तेज बारिश के कारण दोपहर बाद नीलामी रोकनी पड़ी, जो शाम को मौसम खुलने पर फिर शुरू हुई। किसानों का कहना है कि इस बारिश से मटर फली की पैदावार प्रभावित होगी, क्योंकि कई किसानों ने 15 दिन पहले ही मटर और चने की बोवनी कर दी थी।

गेहूं की दोबारा करनी पड़ेगी बोवनी

ग्राम पिपलौदी (बिरमावल) के किसान प्रवीण पाटीदार ने बताया कि दो दिन की लगातार बारिश से खेतों में पानी भर गया है। जिन किसानों ने मटर की बोवनी की है, उन्हें नुकसान झेलना पड़ेगा। करीब 40 प्रतिशत किसानों ने 4ङ्क5 दिन पहले गेहूं बोया था, लेकिन अब 75 प्रतिशत बोवनी खराब हो गई है। किसानों को दोबारा बोवनी करनी पड़ेगी, जो मौसम साफ होने के बाद 10ङ्क15 दिन देरी से संभव होगी। मौसम विभाग ने अगले 3ङ्क4 दिन और बारिश की संभावना जताई है।

जबलपुर का Swiggy Boy निकला शराब तस्कर, फूड बॉक्स में मिलीं 349 बोतलें; पुलिस ने दबोच लिया

जबलपुर। मध्य प्रदेश के जबलपुर से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है. यहां स्विगी फूड डिलीवरी बॉय की ड्रेस पहनकर अवैध शराब की तस्करी करने वाले एक युवक को मुखबिर की सूचना पर रांझी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया.

मध्य प्रदेश के जबलपुर से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है. यहां स्विगी फूड डिलीवरी बॉय की ड्रेस पहनकर अवैध शराब की तस्करी करने वाले एक युवक को मुखबिर की सूचना पर रांझी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया. आरोपी युवक स्विगी के बैग में खाने की बजाय देशी प्लेन ओर लाल शराब की बोतलें भरकर डिलीवरी करता था. पुलिस ने मौके से बड़ी मात्रा में अवैध देशी शराब बरामद की है. फिलहाल पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है. वहीं एक अन्य साथी भागने में सफल रहा. पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, पकड़े गए आरोपी की पहचान अभय उर्फ अंशु जायसवाल के रूप में हुई है. वह पहले स्विगी में बतौर फूड डिलीवरी बॉय काम कर चुका है और उसी अनुभव का फायदा उठाकर अवैध शराब की तस्करी करने लगा था. वह स्विगी की आधिकारिक ड्रेस और बैग का इस्तेमाल करता था, ताकि किसी को शक न हो. पुलिस ने आरोपी के स्विगी बैग से 349 देशी शराब की बोतलें जब्त की हैं.

आरोपी डिलीवरी बॉय का साथी हुआ फरार

आरोपी अपने साथी देवू अन्ना के साथ मिलकर लंबे समय से शराब की तस्करी कर रहा था. दोनों शहर के विभिन्न इलाकों में शराब की सप्लाई करते थे. पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि स्विगी ड्रेस में एक युवक शराब की डिलीवरी कर रहा है. सूचना के आधार पर रांझी पुलिस ने व्हीकल स्टेट मैदान के पास नाकाबंदी कर आरोपी को गिरफ्तार किया, जबकि उसका साथी मौके से फरार हो गया.

पुलिस ने दर्ज किया केस

थाना प्रभारी उमेश गोल्हानी ने बताया कि आरोपी के खिलाफ आबकारी एक्ट की धारा 34(2) के तहत मामला दर्ज किया गया है और फरार आरोपी की तलाश जारी है. प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि अभय उर्फ अंशु जायसवाल शराब तस्करी के इस अवैध धंधे में पिछले कई महीनों से सक्रिय था.

खाने के पैकेट्स की जगह शराब

वह लोगों को धोखा देने के लिए फूड डिलीवरी की आड़ में इस काम को अंजाम दे रहा था, ताकि किसी को शक न हो और पुलिस की नजर से बच सके. रांझी पुलिस ने जब आरोपी के बैग की तलाशी ली तो उसमें खाने के पैकेट्स की जगह शराब की दर्जनों बोतलें मिलीं. पुलिस अब यह भी जांच कर रही है कि आरोपी शराब कहां से खरीदता था और किन इलाकों में उसकी डिलीवरी करता था.

शासकीय सेवकों के लिए हुआ 'अल्पविराम' कार्यशाला का आयोजन

ग्वालियर ।जन अभियान परिषद एवं राज्य आनंद संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में विकासखंड स्तरीय 'अल्पविराम परिचय कार्यशाला' आयोजित की जा रही हैं। इस कड़ी में मंगलवार को जनपद पंचायत सभागार डबरा में कार्यशाला का आयोजन हुआ।

इस एक दिवसीय कार्यशाला में स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, वन, राजस्व, जनपद एवं महिला-बाल विकास विभाग सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी तथा जन अभियान परिषद की नवांकुर संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए जनपद पंचायत डबरा की सीईओ श्रीमती उषा पी. शर्मा ने कहा कि खुशी, उत्साह और मनोयोग से किया गया कार्य सदैव उत्कृष्ट होता है। आनंद विभाग द्वारा ऐसी कार्यशालाएं कर्मचारियों को तनावमुक्त होकर कार्य करने की प्रेरणा देती हैं।

जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक श्री धर्मेन्द्र दीक्षित ने कहा कि अल्पविराम कार्यशाला जीवन में ठहराव और सकारात्मक सोच का अभ्यास कराती है। आनंद विभाग के

श्री धर्मेन्द्र त्रिवेदी ने आनंद विभाग की गतिविधियों को जीवन में ऊर्जा और उत्साह का स्रोत बताया।

कार्यशाला का शुभारंभ मां सरस्वती के पूजन के साथ हुआ। कार्यक्रम में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत डबरा श्रीमती उषा शर्मा, जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक श्री धर्मेंद्र कुमार दीक्षित और आनंद संस्थान के श्री हेमंत त्रिवेदी सहित प्रशिक्षक श्री विजय बाथम, डॉ. रूपा आनंद, सुश्री भारती शाक्य एवं सुश्री रेशमा बानो उपस्थित रहीं।

भावांतर योजना में इन 7 जिलों के किसानों ने कराया सबसे अधिक पंजीयन

भावांतर योजना में 9.36 लाख किसानों ने पंजीयन करवाया है। जिसमें सात जिले उज्जैन, राजगढ़, शाजापुर, देवास, सीहोर, विदिशा और सागर ऐसे हैं जहां 50-50 हजार से अधिक किसानों ने पंजीयन करवाया है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्य प्रदेश में किसानों से सोयाबीन खरीदी के लिए लागू की गई भावांतर योजना के संबंध में 21 अक्टूबर 2025 के दिन मुख्यमंत्री निवास में हुई बैठक में वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा कर निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश के किसानों के हित में भावांतर योजना प्रारंभ की गई है। प्रदेश में तीन गुना से अधिक पंजीयन योजना में हुए हैं। कुल 9.36 लाख किसानों ने पंजीयन करवाया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि योजना की संपूर्ण प्रक्रिया में किसानों को कोई असुविधा न हो, यह सुनिश्चित किया जाए। बैठक में बताया गया कि भावांतर योजना में प्रदेश में सात जिले उज्जैन, राजगढ़, शाजापुर, देवास, सीहोर, विदिशा और सागर ऐसे हैं जहां 50-50 हजार से अधिक किसानों ने पंजीयन करवाया है। इसी तरह 21 जिलों से 10-10 हजार से अधिक किसानों ने पंजीयन करवाया है। बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि जिलों में किसानों को मंडियों और उप-मंडियों में सोयाबीन विक्रय के लिए आवश्यक तैयारियां पूर्ण की जाएं। योजना से संबंधित सभी आवश्यक जानकारियां किसानों को प्रदान की जाएं। इस माह किए गए योजना के प्रचार का ही अच्छा परिणाम है कि बड़ी संख्या में पंजीयन हुए हैं। ई-उपार्जन पोर्टल के माध्यम से किसानों के पंजीकृत बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से भावांतर राशि का भुगतान निर्धारित अवधि में किया जाए, साथ ही भुगतान के संबंध में किसान को एसएमएस के माध्यम से सूचना दी जाए।

बैठक में बताया गया कि प्रदेश में 24 अक्टूबर से 15 जनवरी 2026 तक सोयाबीन की विक्रय अवधि रहेगी। ई-उपार्जन पोर्टल पर पंजीयन के बाद मंडी पोर्टल में ई-मंडी पोर्टल पर सभी कार्य इलेक्ट्रानिक माध्यम से किए गए हैं। सभी मंडियों और उप मंडियों में तकनीकी एवं मानव संसाधन की व्यवस्था की गई है। मंडी स्तरीय कर्मचारियों का प्रशिक्षण भी हुआ है।

चक्रवाती तूफान 'मोंथा' के चलते 31 अक्टूबर तक इन जिलों में होगी भारी बारिश

बंगाल की खाड़ी में बने चक्रवाती तूफान मोंथा एवं अरब सागर में बने दबाव के क्षेत्र के चलते देश के कई राज्यों में 31 अक्टूबर तक हवा-आंधी और गरज-चमक के साथ बारिश होने की संभावना है। वहीं आंध्र प्रदेश, सौराष्ट्र, कच्छ, उड़ीसा और छत्तीसगढ़ में अत्यधिक भारी बारिश की संभावना है।

भारतीय मौसम विभाग ढ्ढरूष्ठ के मुताबिक दक्षिण-पश्चिम और उससे सटे पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी में एक चक्रवाती तूफान ÷मोंथा÷ के 28 अक्टूबर 2025 की सुबह तक एक गंभीर चक्रवाती तूफ़ान (स्द्गह्न1द्ग ष्4ष्द्यश्रठ्ठद्बष् स्ह्लश्रह्मद्ब) में तब्दील होने की संभावना है। चक्रवाती तूफान मोंथा 28 अक्टूबर की शाम या रात के दौरान काकीनाड़ा के आसपास मछलीपट्टनम और कलिंगपट्टनम के बीच आंध्र प्रदेश तट पर टकराने की संभावना है।

इस तूफ़ान में अधिकतम 90 से 100 किलोमीटर प्रति घंटे की निरंतर हवा से लेकर 110 किलोमीटर प्रति घंटे तक की हवा की गति हो सकती है। इसके साथ ही पूर्व-मध्य अरब सागर में भी दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। जिसके चलते आंध्र प्रदेश, उड़ीसा, सौराष्ट्र और कच्छ एवं छत्तीसगढ़ में अनेक स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है। वहीं दोनों सिस्टम के प्रभाव से देश के कई राज्यों में तेज हवा-आंधी और गरज-चमक के साथ बहुत भारी वर्षा से लेकर भारी वर्षा हो सकती है।

मौसम विभाग के भोपाल केंद्र के द्वारा जारी चेतावनी के अनुसार मौजूदा सिस्टम से 27 से 31 अक्टूबर के दौरान राज्य के भोपाल, विदिशा, रायसेन, सीहोर, राजगढ़, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, बुरहानपुर, खंडवा, खरगोन, बड़वानी, अलीराजपुर, झाबुआ, धार, इंदौर, रतलाम, उज्जैन, देवास, शाजापुर, आगरङ्कमालवा, मंदसौर, नीमच, गुना, अशोक नगर, शिवपुरी, ग्वालियर, दतिया, भिंड, मुरैना, श्योंपुर कला, सिंगरौली, सीधी, रीवा, मऊगंज, सतना, अनुपपुर, शहडोल, उमरिया, डिंडोरी, कटनी, जबलपुर, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला, बालाघाट, पन्ना, दमोह, सागर, छत्तरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी, मैहर एवं पांडुरना जिलों में अनेक स्थानों पर हवा-आंधी और गरज-चमक के साथ बारिश होने की संभावना है।

मौसम विभाग के जयपुर केंद्र के द्वारा जारी चेतावनी के अनुसार मौजूदा सिस्टम के चलते 27 और 28 अक्टूबर के दौरान राज्य के अजमेर, अलवर, बांसवाड़ा, बारां, ब्यावर, भरतपुर, भीलवाड़ा, बूंदी, चित्तौड़गढ़, दौसा, डीग, धौलपुर, डूंगरपुर, जयपुर, झालावाड़, करौली, खैरथल-तिजारा, कोटा, कोटपुतली-बहरोड़, प्रतापगढ़, राजसमंद, सलूम्बर, सवाई माधोपुर, सिरोही, टोंक, उदयपुर, जालौर और पाली जिलों में अनेक स्थानों पर हवा-आंधी और गरज-चमक के साथ बारिश होने की संभावना है।

मौसम विभाग के रायपुर केंद्र के द्वारा जारी चेतावनी के अनुसार मोंथा तूफान के चलते 27 से 31 अक्टूबर के दौरान सरगुजा, जशपुर, कोरिया, मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, सूरजपुर, बलरामपुर, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, बिलासपुर, रायगढ़, सारंगगढ़-बिलाईगढ़, सक्ती, मुंगेली, कोरबा, जांजगीर, रायपुर, बालोदाबाजार, गरियाबंद, धमतरी, महासमुंद, दुर्ग, बालोद, बेमतारा, कबीरधाम, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, राजनंदगांव, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी, बस्तर, कोंडागांव, दंतेवाड़ा, सुकमा, कांकेर, बीजापुर और नारायणपुर जिलों में अनेक स्थानों पर तेज-हवा-आंधी और गरज-चमक के साथ भारी वर्षा की संभावना है। वहीं 28 अक्टूबर के दिन दक्षिण छत्तीसगढ़ के कुछ स्थानों पर भारी से अति भारी वर्षा होने की संभावना है, जबकि दक्षिण छत्तीसगढ़ के एक दो स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है। दक्षिण छत्तीसगढ़ के जिलों में 60 से 70 किमी प्रति घंटे की गति से तेज हवाएँ चल सकती है, जो बढ़कर 80 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। इसके अलावा 29 अक्टूबर के दिन मध्य और दक्षिण छत्तीसगढ़ के एक दो स्थानों पर भारी से अति भारी वर्षा होने की संभावना है।

चने की फसल में जड़ गलन, सूखा जड़ गलन एवं उकठा रोग के नियंत्रण के लिए कृषि विभाग ने जारी की सलाह

रबी सीजन के दौरान चने की फसल में लगने वाले जड़ गलन, सूखा जड़ गलन एवं उकठा रोग के नियंत्रण के लिए कृषि विभाग द्वारा किसानों को कुछ उपाय बताए गए हैं।

रबी के मौसम में दलहन फसलों में चने की खेती किसानों के द्वारा प्रमुखता से की जाती है। कृषि विशेषज्ञों की मानें तो किसी फसल का क्षेत्र विशेष में एक ही पैटर्न होने से उसमें लगने वाले कीट और रोगों के प्रकोप की संभावना भी अधिक रहती है, जिसको देखते हुए कृषि विभाग के अजमेर केंद्र द्वारा किसानों को चने की फसल में होने वाले विभिन्न रोगों से बचाव के लिए उपाय बताए गए हैं।

केंद्र के कृषि अधिकारी पुष्पेन्द्र सिंह ने बताया कि मौसम तथा अन्य अनुकूलता बढ़ने से अन्य कीट व्याधियों के साथ-साथ चने की फसल में मृदा तथा बीज जनित रोग जैसे की जड़ गलन, सुखा जड़ गलन एवं उकठा रोग हानिकारक फफूंद (फ्यूजेरियम ऑक्सीस्पोरम) द्वारा फैलते है। इनका समय रहते उपचार करने की आवश्यकता है। इस रोग का प्रभाव खेत में छोटे-छोटे टुकड़ों में दिखाई देता है। प्रारम्भ में पौधे की ऊपरी पत्तियाँ मुरझा जाती हैं। धीरे-धीरे पूरा पौधा सूखकर मर जाता है। जड़ के पास तने को चीर कर देखने पर वाहक ऊतकों में कवक जाल धागेनुमा काले रंग की संरचना के रूप में दिखाई देता है।

चने की फसल में रोग नियंत्रण के उपाय

कृषि अधिकारी ने बताया कि चने की फसल में जड़ गलन, सुखा जड़ गलन एवं उकठा रोग की रोकथाम के लिए कई उपाय अपना कर किसान संभावित नुकसान से बच सकते है। उनके मुताबिक भूमि में समुचित जल निकास की व्यवस्था होना चाहिए। ऐसे क्षेत्र जहाँ यह रोग पहले भी लग चुके हैं उन स्थानों पर किसानों को फसल चक्र अपनाना चाहिए। किसान को सरसों या अलसी के साथ चना की अन्तर फसल लगाना चाहिए।

किसान रोग के संभावित क्षेत्रों में चने की रोग रोधी एवं प्रतिरोधी किस्म जैसे आरएसजी-888, सीएसजेडी-884, आरएसजी-945, आरएसजी -807, आरएसजी -902, आरएसजी -991, जीएनजी-1581, आरएसजी -974, सीएसजेके-6, जीएनजी-1958, सीएसजे-515 तथा सीएसजेके-174 आदि किस्मों का चुनाव करना चाहिए।

भूमि और बीज उपचार के बाद करें चने की बुआई

कृषि अधिकारी पुष्पेन्द्र सिंह ने बताया कि भूमि उपचार के लिए बुवाई से पहले 2.5 किलो ट्राईकोडर्मा को 100 किलो गोबर की खाद में अच्छी तरह मिलाकर 10-15 दिन तक छाया में रखें। इस मिश्रण को बुवाई के समय प्रति हेक्टेयर की दर से पलेवा करते समय मिट्टी में मिला दें। जड़ गलन, सूखा जड़ गलन एवं उकठा रोगों की रोकथाम के लिए कार्बन्डाजिम एक ग्राम एवं थाईरम ढाई ग्राम या 2 ग्राम कार्बोक्सीन 37.5 प्रतिशत एवं थाइरम 37.5 प्रतिशत अथवा ट्राईकोडर्मा 10 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से उपचारित कर बुवाई करें।

उन्होंने बताया कि किसानों को समय-समय पर कृषि विभाग द्वारा विभिन्न संवाद कार्यक्रमों, गोष्ठियों एवं स्थानीय कृषि अधिकारियों तथा कृषि पर्यवेक्षकों के माध्यम से प्रभावी उपाय बता कर फसलों में होने वाले नुकसान से बचने के लिए जागरूक किया जाता है। अधिक जानकारी के लिए सलाह दी जाती है कि किसान स्थानीय कृषि पर्यवेक्षक या सहायक कृषि अधिकारी या नजदीकी कृषि कार्यालय से संपर्क कर परामर्श उपरांत प्रभावी उपाय अपनाकर कीट-व्याधियों की रोकथाम सम्बंधित कार्य कराए।

समर्थन मूल्य पर धान, ज्वार और बाजरा बेचने के लिए 8.5 लाख से अधिक किसानों ने कराया पंजीयन

समर्थन मूल्य पर धान, ज्वार और बाजरा बेचने के लिए इस वर्ष मध्य प्रदेश में 8 लाख 53 हजार 911 किसानों ने पंजीयन कराया है। जबकि पिछले वर्ष 7 लाख 84 हजार 845 किसानों ने पंजीयन कराया था।

इस वर्ष मध्यप्रदेश में न्यूनतम समर्थन मूल्य यानि रूस्क्क पर धान, ज्वार और बाजरा बेचने के लिए 8 लाख 53 हजार 911 किसानों ने पंजीयन कराया है जबकि पिछले वर्ष 7 लाख 84 हजार 845 किसानों ने पंजीयन कराया था। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत ने बताया है कि इस वर्ष विगत वर्ष की तुलना में लगभग 69 हजार अधिक किसानों ने पंजीयन कराया है। धान उपार्जन के लिये 8 लाख 47 हजार 830, ज्वार के लिये 2601 और बाजरा के लिये 5 हजार 545 किसानों ने पंजीयन कराया है। उन्होंने बताया है कि धान का समर्थन मूल्य 2369 रुपए, ज्वार का 3699 और बाजरा का 2775 रुपए है। खाद्य, नागरिक आपूर्ति मंत्री ने बताया कि पंजीयन की निःशुल्क व्यवस्था ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत एवं तहसील कार्यालयों में स्थापित सुविधा केन्द्र पर सहकारी समितियों एवं सहकारी विपणन संस्थाओं द्वारा संचालित पंजीयन केन्द्रों पर और एम.पी. किसान एप पर की गई थी।

जिलेवार किसान पंजीयन की स्थिति

प्रदेश में हुए कुल पंजीयन में मुख्य रूप से जिला बालाघाट में 1 लाख 25 हजार 845 किसान, जबलपुर में 52 हजार 975, सिवनी में 59 हजार 590, कटनी में 61 हजार 388, मण्डला में 39 हजार 292, डिण्डोरी में 25 हजार 23, नरसिंहपुर में 16 हजार 204, छिंदवाड़ा में 3 हजार 258, रीवा में 70 हजार 115, सतना में 61 हजार 397, मैहर में 29 हजार 151, सिंगरौली में 30 हजार 189, सीधी में 28 हजार 536, मऊगंज में 22 हजार 369, शहडोल में 37 हजार 56, उमरिया में 27 हजार 271 किसानों ने पंजीयन कराया है।

इसी तरह अनूपपुर में 21 हजार 831, पन्ना में 37 हजार 207, दमोह में 22 हजार 896,

देश समाचार Videsh

दक्षिण चीन सागर में अमेरिकी नौसेना के हेलिकॉप्टर और लड़ाकू विमान क्रैश, चालक दल सुरक्षित

बीजिंग। दक्षिण चीन सागर में अमेरिकी नौसेना के एक हेलिकॉप्टर और एक लड़ाकू विमान के रहस्यमय तरीके से क्रैश होने की खबर ने सनसनी मचा दी है। वॉशिंगटन ने बताया कि यह हादसा रविवार को रूटीन ऑपरेशन के दौरान हुआ। दोनों हादसों में शामिल हॉक हेलिकॉप्टर और बोइंग सुपर हॉर्नेट के चालक दल के सदस्यों ने समय रहते निकलकर अपनी जान बचा ली। अमेरिकी नौसेना ने इस घटना की जांच शुरू कर दी है।

अमेरिकी नौसेना के सोशल मीडिया बयान के अनुसार, 26 अक्टूबर को स्थानीय समयानुसार दोपहर 2:45 बजे हॉक हेलिकॉप्टर, जिसे बैटल कैट्स के नाम से जाना जाता है, दक्षिण चीन सागर में क्रैश हो गया। यह हेलिकॉप्टर एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसएस निमित्ज से उड़ान भरने के बाद हादसे का शिकार हुआ। हेलिकॉप्टर में सवार तीनों चालक दल के सदस्यों को सुरक्षित निकाल लिया गया और उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है।हैरानी की बात यह है कि हेलिकॉप्टर के क्रैश होने के मात्र आधे घंटे बाद उसी एयरक्राफ्ट कैरियर से उड़ान भरने वाला बोइंग सुपर हॉर्नेट लड़ाकू विमान भी समुद्र में गिर गया। इस हादसे में भी पायलट्स ने समय पर इजेक्ट कर अपनी जान बचाई। दोनों घटनाओं ने क्षेत्र में तनाव बढ़ा दिया है, खासकर तब जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने पहले एशिया दौरे पर हैं और रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ भी एशियाई देशों के दौरे पर हैं।यह पहली बार नहीं है जब अमेरिकी नौसेना के विमान हादसे का शिकार हुए हैं। इस साल की शुरुआत में मध्य एशिया में एक ऑपरेशन के दौरान भी एक अमेरिकी विमान क्रैश हुआ था। दक्षिण चीन सागर में ये हादसे ऐसे समय में हुए हैं, जब यह क्षेत्र पहले से ही सामरिक और भू-राजनीतिक तनाव का केंद्र बना हुआ है। अमेरिकी नौसेना ने इन हादसों के कारणों की जांच शुरू कर दी है, लेकिन अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी साझा नहीं की गई है। इन घटनाओं ने क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य उपस्थिति और सुरक्षा उपायों पर सवाल खड़े किए हैं।

यूनुस का दोगला चेहरा उजागर; PAK जनरल को दी किताब, नक्शे में पूर्वोत्तर को दिखाया देश का हिस्सा

ढाका । बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस ने पाकिस्तानी जनरल साहिर शमशाद मिर्जा को एक विवादित किताब गिफ्ट की। किताब के कवर पर भारत के सात पूर्वोत्तर राज्यों को बांग्लादेशी क्षेत्र के तौर पर दिखाया गया है।

बांग्लादेश के अंतरिम नेता मुहम्मद यूनुस द्वारा एक पाकिस्तानी जनरल को दिए उपहार ने नया विवाद खड़ा कर दिया है। मोहम्मद यूनुस ने पाकिस्तानी जनरल साहिर शमशाद मिर्जा को एक विवादास्पद किताब आर्ट ऑफ ट्रायम्फ भेंट की, इस किताब के कवर पर छपे नक्शे में भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को बांग्लादेश का हिस्सा दिखाया गया है। यूनुस के इस कदम को भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र के मुद्दे पर कूटनीतिक हलचल उत्पन्न करने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है।

बांग्लादेश यात्रा पर पहुंचे पाकिस्तान के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ कमेटी के अध्यक्ष जनरल साहिर शमशाद मिर्जा को आर्ट ऑफ ट्रायम्फ भेंट की थी। जिसकी कवर पर दिखाए गए नक्शे में भारत के सातों पूर्वोत्तर राज्य असम से लेकर अरुणाचल तक को बांग्लादेश का हिस्सा दर्शाया गया है। बांग्लादेश सरकार के अंतरिम प्रमुख की इस हरकत की जमकर आलोचना भी की जा रही है। इस पूरे मामले पर भारत सरकार की तरफ से फिलहाल इस पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी गई है। आर्ट ऑफ ट्रायम्फ जुलाई-अगस्त 2024 के छात्र आंदोलन के दौरान दीवारों पर बनाई गई ग्रैफिटी और अन्य चित्रों से भरी है।

जनरल साहिर शमशाद मिर्जा ने इस सप्ताहांत बांग्लादेश का दौरा ऐसे समय पर किया जब दोनों देशों के बीच रिश्तों में करीबी बढ़ रही है। शमशाद मिर्जा पाकिस्तानी सेना में नंबर दो की हैसियत रखते हैं। जानकारी के मुताबिक, यूनुस पहले भी इस किताब को कुछ अन्य विदेशी हस्तियों को भेंट कर चुके हैं।

यूनुस बार-बार करते रहे हैं पूर्वोत्तर का जिक्र

यह पहली बार नहीं है जब यूनुस की ओर से इस तरह की हरकत की गई है। पिछले कुछ महीनों में वह विदेशों में आयोजित कार्यक्रमों के दौरान पूर्वोत्तर राज्यों का कई बार जिक्र कर चुके हैं। अप्रैल में अपनी पहली चीन यात्रा के दौरान यूनुस ने यह दावा करके नई दिल्ली को नाराज कर दिया था कि बांग्लादेश इस क्षेत्र के लिए समुद्र का एकमात्र संरक्षक है, क्योंकि पूर्वोत्तर भारत भूमि से घिरा है। इसके जरिये उन्होंने चीन को इस क्षेत्र में अपना प्रभाव बढ़ाने और अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए प्रोत्साहित किया।

जयशंकर ने आसियान सम्मेलन से इतर न्यूज़ीलैंड के प्रधानमंत्री से की मुलाकात, इन मुद्दों पर की चर्चा

मलयेशिया में आसियान सम्मेलन के दौरान विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन और मलयेशियाई विदेश मंत्री मोहम्मद हाजी हसन से मुलाकात की। बातचीत में द्विपक्षीय संबंध, इंडो-पैसिफिक सहयोग और म्यांमार की स्थिति जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई।

आसियान शिखर सम्मेलन के मौके पर विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोमवार को न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन और मलयेशिया के विदेश मंत्री मोहम्मद हाजी हसन से अलग-अलग मुलाकात की। इन बैठकों में द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने और क्षेत्रीय सुरक्षा से जुड़े अहम मुद्दों पर चर्चा हुई।

कुआलालंपुर में आयोजित दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के संगठन (आसियान) के वार्षिक सम्मेलन के दौरान जयशंकर ने यह बैठकें कीं। उन्होंने बताया कि न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री लक्सन से उनकी मुलाकात बेहद सकारात्मक रही और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से उन्होंने लक्सन को गर्मजोशी भरे शुभकामनाएं दीं। जयशंकर ने कहा कि भारत और न्यूजीलैंड एक मुक्त और खुले इंडो-पैसिफिक क्षेत्र के लिए मिलकर काम करने को प्रतिबद्ध हैं।

मलयेशिया के साथ सहयोग पर जोर

जयशंकर ने मलयेशियाई विदेश मंत्री मोहम्मद हाजी हसन से भी मुलाकात कर द्विपक्षीय सहयोग में हो रही प्रगति की समीक्षा की। दोनों नेताओं ने म्यांमार की स्थिति पर भी विचार साझा किए। जयशंकर ने अपने मलयेशियाई समकक्ष को सफल आसियान और पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलनों के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि भारत और मलयेशिया के बीच व्यापार, निवेश और लोगों के बीच आपसी संपर्क को और मजबूत करने की दिशा में निरंतर प्रयास जारी रहेंगे।

मलयेशियाई प्रधानमंत्री से भी हुई वार्ता

इससे पहले रविवार को जयशंकर ने मलयेशियाई प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम से भी वार्ता की थी। इस दौरान उन्होंने दोनों देशों के बीच आपसी रिश्तों को और गहरा करने तथा 'पीपल-टू-पीपल कनेक्ट' को बढ़ाने पर जोर दिया था। जयशंकर ने सोशल मीडिया पर बताया कि मलयेशियाई प्रधानमंत्री के विचार भारत-मलयेशिया सहयोग को सशक्त करने में सहायक हैं।

आसियान की क्षेत्रीय अहमियत पर भारत का फोकस

गौरतलब है कि मलयेशिया इस वर्ष आसियान समूह का अध्यक्ष है और सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है। 11 देशों का यह समूह एशिया-प्रशांत क्षेत्र में सबसे प्रभावशाली संगठनों में से एक माना जाता है। भारत, अमेरिका, चीन, जापान और ऑस्ट्रेलिया जैसे देश इसके संवाद साझेदार हैं। भारत लंबे समय से आसियान देशों के साथ राजनीतिक, आर्थिक और सुरक्षा सहयोग को मजबूत करने पर काम कर रहा है।

पाकिस्तानके साथ हो गया बड़ा खेल, 25000 सैनिक उठा ले गया सऊदी अरब

पाकिस्तान पिछले कई दिनों से हवा बना रहा था कि सऊदी अरब के साथ उसकी जो डिफेंस डील हुई है, उसके मुताबिक एक देश पर हमला दूसरे देश पर भी हमला माना जाएगा। लेकिन इस डील के बारे में जो पाकिस्तान ने किसी को नहीं बताया वो अब सामने आया है।

पाक अब संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), कतर और पड़ोसी देश अजरबैजान के साथ ट्रिपल मिलिट्री अलायंस करने जा रहा है। इसे गल्फ कैस्पियन डिफेंस एंड सिक्योरिटी अलायंस का नाम दिया गया है। सूत्रों के अनुसार अगले महीने दोहा में इस अलायंस की औपचारिक घोषणा होगी। पाक आर्मी चीफ आसिम मुनीर इन तीनों देशों के साथ संपर्क में हैं। ये अलायंस पाक-सऊदी अरब सैन्य करार के मॉडल पर आधारित होगा। यानी इसमें शामिल देश सैन्य गठजोड़ करेंगे और किसी भी देश पर हमले को साझा हमला मानकर जवाब दिया जाएगा। पाकिस्तान ने यूएई, कतर और अजरबैजान की सेना को ट्रेनिंग देने का भी ऐलान किया है। बताया जा रहा है कि खाड़ी का एक अन्य देश बहरीन भी अलायंस में शामिल होना चाहता है। सितंबर में हुए सैन्य करार के बाद पाक सेना अपने ढाई हजार जवानों को सऊदी अरब भेज चुकी है।

लेकिन अब खबर है कि सऊदी अरब ने पाकिस्तान के साथ बहुत बड़ा खेल कर दिया है। सऊदी अरब पाकिस्तान के 25,000 सैनिक उठा ले गया है। इन हजारों सैनिकों का काम सऊदी अरब के दुश्मनों खासतौर पर इजरायल से लड़ना है। पाकिस्तान के 25,000 सैनिकों को लेकर जो खुलासा हुआ है, उसने सबको हैरान कर दिया है। दरअसल पाकिस्तान पिछले कई दिनों से हवा बना रहा था कि सऊदी अरब के साथ उसकी जो डिफेंस डील हुई है, उसके मुताबिक एक देश पर हमला दूसरे देश पर भी हमला माना जाएगा। लेकिन इस डील के बारे में जो पाकिस्तान ने किसी को नहीं बताया वो अब सामने आया है। सच यह है कि इस डील ने पाकिस्तान को सऊदी अरब का इक्लल डिफेंस पार्टनर नहीं बनाया है बल्कि सऊदी अरब का गुलाम बना दिया है। पाकिस्तान को लगा था कि इस डील के चलते सऊदी अरब उसे भारत और अफगानिस्तान के हमलों से बचाएगा। लेकिन सूत्रों के मुताबिक सऊदी अरब ने साफ कर दिया है कि आगे चलकर अगर भारत और अफगानिस्तान पाकिस्तान पर हमला करते हैं तो ऐसी स्थिति में सऊदी अरब डिप्लोमेटिकली पाकिस्तान की भारत और अफगानिस्तान से दोस्ती कराने की कोशिश करेगा।

Rakhi Sawant ने Farah Khan को बताया शुगर मम्मी, बदल रही एक्ट्रेस के जर्जर घर की तकदीर!

बॉलीवुड अभिनेत्री राखी सावंत ने फराह खान को अपनी शुगर मम्मी और गॉडमदर बताया है, जिन्होंने उनके मुंबई स्थित जर्जर घर के नवीनीकरण में सहायता की। राखी ने खुलासा किया कि फराह उनके लिए फर्श से लेकर अन्य घरेलू सामान तक, सब कुछ बनवा रही हैं, क्योंकि उनका घर बारिश में तबाह हो गया था; उन्होंने शाहरुख और सलमान खान को भी अपना गॉडफादर कहा।

निर्देशक फराह खान ने हाल ही में बॉलीवुड की दो सुपरस्टार्स - दीपिका पादुकोण और राखी सावंत - को लॉन्च करने में अपनी भूमिका के बारे में खुलकर बात की। फराह ने राखी को फिल्म मैं हूँ ना में एक रोल दिया था और अब वह एक बार फिर राखी की ज़िंदगी में रोशनी बन गई हैं। हिंदी रश के हालिया पॉडकास्ट में, राखी ने कबूल किया कि फराह खान ही हैं जो मुंबई में उनके घर को फिर से बनाने में उनकी मदद कर रही हैं। ठीक इसी तरह, अपने नए ट्रैक ज़रूरत के प्रोमो के दौरान, राखी ने फराह को अपनी शुगर मम्मी कहा और साथ ही, उन्होंने शाहरुख खान और सलमान खान, दोनों को गॉडफादर बताया।

क्या राखी सावंत ने फराह खान को शुगर मम्मी कहा?

फराह के साथ अपने रिश्ते के बारे में बात करते हुए, राखी ने कहा, ÷फराह खान मेरी शुगर मम्मी और गॉडमदर हैं और शाहरुख खान, सलमान खान मेरे गॉडफादर हैं। मेरा कोई नहीं है, मैं लावारिस हूँ। फराह मैम ने मुझे दिवाली पर ढेर सारे तोहफे दिए, जिनमें एक टीवी, एक वॉशिंग मशीन, बर्तन और एक प्रेशर कुकर शामिल है। मेरे लिए मेरा घर बनवा दे रही है।÷ राखी ने स्वीकार किया कि फराह हमेशा उनके लिए मददगार रही हैं और उन्हें एक नई ज़िंदगी शुरू करने में मदद करती हैं। उन्होंने आगे कहा, 3.5 साल के बाद जब घर आई, तो मेरा घर पूरा कबाड़ा हो गया, रहने लायक ही नहीं। बारिश में पूरा खत्म हो गया। तो फराह मैम फ्लोरिंग लगवाके दे रहे हैं और पूरा घर बनवाके दे रहे हैं। मेहरबानी है उनकी।

राखी ने सलमान की भी तारीफ की और उन्हें ÷गरीबों का मसीहा÷ कहा। उन्होंने बताया कि जब उनके पास कोई नौकरी नहीं थी, तब सलमान ने उन्हें बिग बॉस में काम दिलाने में मदद की, जब उनकी माँ के पास पैसे नहीं थे, तब उनके कैंसर के इलाज में मदद की और उनके लिए करोड़ों खर्च किए।

अभिनेत्री राखी सावंत इन दिनों अपने नए गाने ज़रूरत के प्रमोशन में व्यस्त हैं। हाल ही में हिंदी रश के साथ एक पॉडकास्ट में, राखी ने खुद को इंडस्ट्री की बेटी बताया और फराह खान के साथ अपने रिश्ते के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने फिल्म निर्माता को अपनी शुगर मम्मी और शाहरुख खान और सलमान खान को अपना गॉडफादर बताया।

राखी और फराह खान की हालिया मुलाकात

राखी हाल ही में अपने कुकिंग व्लॉग के लिए मुंबई में फराह के घर गईं। व्लॉग के दौरान, राखी यह जानकर दंग रह गईं कि फराह एक सात बेडरूम वाले अपार्टमेंट में रहती हैं जिसमें एक निजी लिफ्ट और एक निजी पूल भी है। राखी ने मज़ाक में कहा कि उनके पास फराह से ज़्यादा महंगा घर है, क्योंकि फिल्म निर्माता के घर की कीमत सिर्फ़ रू15 करोड़ है, जबकि दुबई में उनके घर की कीमत रू50 करोड़ है। फराह ने जवाब दिया कि उनके घर की कीमत इससे कहीं ज़्यादा है, और उन्होंने बताया कि उनकी बिल्डिंग में सिर्फ़ वॉचमैन का अपार्टमेंट ही ?15 करोड़ का है। उन्होंने आगे बताया कि बिल्डिंग में उनकी तीन मंज़िलें हैं। फराह ने अपने व्लॉग के ज़रिए राखी को कई तोहफ़े भी दिए।

इस बीच, राखी ने फराह और शाहरुख़ के साथ फ़िल्म मैं हूँ ना में काम किया है, जो बॉक्स ऑफिस पर बड़ी हिट रही। उन्होंने बिग बॉस में कई बार भाग लिया है, पहली बार सीजन 1 में दिखाई दीं, जहां वह शीर्ष पांच फाइनलिस्ट में शामिल थीं, बाद में बिग बॉस 14 में एक चैलेंजर के रूप में और बिग बॉस 15 में वाइल्डकार्ड एंट्री के रूप में लौटीं।

भजन गायक हंसराज रघुवंशी को लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नाम पर मिली जान से मारने की धमकी, 15 लाख की रंगदारी मांगी

भजन गायक हंसराज रघुवंशी को जान से मारने की धमकी और ?15 लाख की रंगदारी मांगने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोपी राहुल कुमार नागड़े ने खुद को लॉरेंस बिश्नोई गैंग का गुर्गा बताकर यह अपराध किया, जिस पर जीरकपुर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। राहुल ने तीन साल तक गायक की लोकप्रियता का फायदा उठाया और अब उन्हें धमका रहा है।

जाने-माने प्रसिद्ध गायक हंसराज रघुवंशी को जान से मारने की धमकी और 15 लाख रुपये की रंगदारी मांगने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। बता दें कि, सिंगर को जान से मारने की धमकी कुख्यात लॉरेंस बिश्नोई का गुर्गा बताने वाले एक व्यक्ति ने दी है। हंसराज रघुवंशी को निजी सुरक्षा गार्ड कटारिया की शिकायत पर जीरकपुर पुलिस ने मध्य प्रदेश के उज्जैन निवासी राहुल कुमार नागड़े के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। शिकायत के अनुसार, राहुल कुमार नागड़े की हंसराज रघुवंशी से पहली मुलाकात साल 2021-22 उज्जैन के श्री महाकाल मंदिर में हुई थी। राहुल नागड़े ने सिंगर का प्रशंसक बताकर उनसे नजदीकी संबंध बना लिए। इसके बाद उसने धीरे-धीरे गायक की निजी लाइफ

तक पहुंच बना ली है। इतना ही नहीं, राहुल ने हंसराज रघुवंशी नाम से एक इंस्टाग्राम अंकाउंट बनाया और खुद को छोटा भाई बताने लगा। इसके बाद, वह वह 2023 में गायक की शादी में बिना बुलाए शामिल हुआ और परिवार व टीम के सदस्यों के मोबाइल नंबर भी हासिल कर लिए।

गैंगस्टरों के नाम पर रंगदारी की मांग कर रहा

अब राहुल नागड़े ने फोन और वाट्सएप कॉल के जरिए सिंगर की पत्नी, मां और टीम के सदस्यों को जान से मारने की धमकी दे रहा है। उसने खुद को लॉरेंस बिश्नोई का गुर्गा बताया और गोल्डी बराड़ गैंग से संबंध होने का दावा किया। शिकायत के अनुसार, राहुल 15 लाख रुपये की रंगदारी मांगी और पैसे न देने पर परिवार को जान से मारने की धमकी दी है। जीरकपुर पुलिस ने राहुल कुमार नागड़े के खिलाफ मामला दर्ज कर चुके हैं और आगे की जांच चल रही है। पुलिस ने बताया कि आरोपित पिछले 3 साल से योजनाबद्ध तरीके से गायक की लोकप्रियता का शोषण किया और अब इसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

फर्जी पहचान से लोगों को ठगता है

शिकायत में कहा गया है कि राहुल ने सिंगर की लोकप्रियता का फायदा उठा रहा है। उनके फैंस से पैसे और उपहार वसूलने का काम करता है। वह खुद को हंसराज का छोटा भाई बताकर लोगों से संपर्क करता है और उनके साथ ठगाई करता है। जब रघुवंशी को इस तरह की शिकायतें मिलीं, तो हंसराज ने उन्हें मई 2025 में इंस्टाग्राम पर अनफॉलो कर दिया है। जिसके बाद से नाराज होकर राहुल ने सिंगर और उनके परिवार को धमकाना शुरु कर दिया।

Abhinav Kashyap के साथ विवाद में Salman Khan के समर्थन में आयी Ektaa Kapoor, शेयर किया आलोचनात्मक पोस्ट

एकता कपूर ने सलमान खान के समर्थन में आकर अभिनव कश्यप के दबंग विवाद संबंधी दावों को अवसरवादी बताया। वरिंदर चावला के आलोचनात्मक पोस्ट का समर्थन करते हुए, एकता ने अभिनव के दस साल बाद लगाए गए इन आरोपों की टाइमिंग पर सवाल उठाया, इसे केवल ध्यान आकर्षित करने का प्रयास करार दिया। यह घटना बॉलीवुड में चल रहे तनावपूर्ण रिश्तों पर नई बहस छेड़ रही है।

बॉलीवुड फ़ोटोग्राफ़र वरिंदर चावला द्वारा फ़िल्म निर्माता अभिनव कश्यप द्वारा अभिनेता पर लगाए गए नवीनतम आरोपों पर कड़ी आपत्ति जताए जाने के बाद, एकता कपूर ने भी सलमान खान का बचाव किया है। जाने-माने पपराज़ो ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में फ़िल्म निर्माता पर निशाना साधा, क्योंकि उनका मानना था कि यह प्रचार पाने के लिए किया गया था। पोस्ट में, उन्होंने सवाल उठाया कि दबंग निर्देशक दस साल से ज़्यादा समय तक चुप क्यों रहे, और बताया कि फ़िल्म 2010 में रिलीज़ हुई थी।

वरिंदर चावला ने कश्यप की टिप्पणियों की निंदा करते हुए उन्हें ध्यान आकर्षित करने और अवसरवादी बताया। उन्होंने कहा, हाल ही में, मैंने एक पॉडकास्ट देखा जिसमें अभिनव सलमान की आलोचना कर रहे थे, ऐसा लग रहा था कि वे सिर्फ़ ध्यान आकर्षित करने और विवाद पैदा करने के लिए ऐसा कर रहे थे। इतने लंबे समय से इंडस्ट्री का हिस्सा होने के नाते, मुझे यह बेहद घृणित लगा। अगर कोई गंभीर समस्या थी, तो बोलने में इतना लंबा इंतज़ार क्यों? इस तरह का व्यवहार अवसरवादी और पूरी तरह से अनुचित लगता है, जिसमें किसी और की प्रतिष्ठा का निजी फायदे के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

अभिनव कश्यप ने दावा किया कि उन्हें तयशुदा भुगतान नहीं किया गया और दबंग में काम करने के दौरान उन्हें रचनात्मक स्वतंत्रता नहीं दी गई। इसके अलावा, उन्होंने अरबाज़ खान और मलाइका अरोड़ा के खिलाफ अपमानजनक और अनावश्यक व्यक्तिगत बयान दिए। सलमान खान और उनके भाई-बहन चुप हैं, लेकिन फिल्म उद्योग के कई अंदरूनी सूत्र अभिनेता के समर्थन में आगे आए हैं। सेलिब्रिटी फ़ोटोग्राफ़र वरिंदर चावला ने अभिनव के इस बयान के समय पर सवाल उठाया और उनकी टिप्पणी को पूरी तरह से घृणित बताया।

अभिनव कश्यप की टिप्पणी की उनकी आलोचना को एकता कपूर के समर्थन से बल मिलता है, जो इस जारी विवाद के बीच अभिनेता के प्रति उनके समर्थन को दर्शाता है। ज़्यादा जानकारी के लिए, अभिनव कश्यप की टिप्पणियों ने सलमान ख़ान और दबंग फ़्रैंचाइज़ी के साथ उनके सार्वजनिक विवाद के बाद बॉलीवुड में उनके तनावपूर्ण संबंधों पर फिर से चर्चा छेड़ दी है। उनकी बिना सेंसर की गई टिप्पणियों पर कई लोग बंटे हुए हैं; कुछ लोग इसे इंडस्ट्री की एक बड़ी सच्चाई मानते हैं, जबकि कुछ इसे फ़िल्म निर्माता के बड़े अभिनेताओं के साथ लंबे समय से चल रहे विवाद का एक और पहलू मानते हैं।

मौजूदा सत्र में किसी टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लेंगी पीवी सिंधू, चोट से उबरने पर देंगी ध्यान

नई दिल्ली:पिछले साल पेरिस ओलंपिक में शुरुआती दौर में बाहर होने के बाद यह साल भी सिंधू के लिए अच्छा नहीं रहा। वह कई प्रतियोगिताओं के पहले दौर में बाहर हो गई और इस दौरान एक भी खिताब नहीं जीत सकीं।

भारत की स्टार महिला बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू मौजूदा सत्र में अब किसी बीडब्ल्यूएफ टूर टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लेंगी। सिंधू ने यह फैसला पैर में लगी चोट से उबरने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए लिया है। सिंधू ने यूरोपीय चरण से पहले यह निर्णय लिया है। हैदराबाद की 30 वर्षीय शटलर ने कहा कि यह फैसला उनकी सहयोगी टीम और चिकित्सा विशेषज्ञों से परामर्श करने के बाद लिया गया। इन चिकित्सा विशेषज्ञों में प्रसिद्ध खेल हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. दिनशॉ पारदीवाला भी शामिल हैं।

सिंधू ने कहा, अपनी टीम के साथ विचार विमर्श करने और डॉक्टर पारदीवाला से सलाह लेने के बाद हमने महसूस किया कि मेरे लिए 2025 में शेष सभी बीडब्ल्यूएफ टूर प्रतियोगिताओं से हटना सबसे अच्छा होगा। यूरोपीय चरण से पहले मेरे पैर में जो चोट लगी थी वह अभी तक पूरी तरह से ठीक नहीं हुई है। चोट लगना किसी भी खिलाड़ी के करियर का अहम हिस्सा होता है हालांकि इसे स्वीकार करना आसान नहीं होता है। इस तरह की परिस्थितियां आपके धैर्य की परीक्षा लेती हैं और आपको मजबूत होकर वापसी करने के लिए प्रेरित भी करती हैं।

सिंधू के लिए अच्छा नहीं रहा मौजूदा सत्र

पिछले साल पेरिस ओलंपिक में शुरुआती दौर में बाहर होने के बाद यह साल भी सिंधू के लिए अच्छा नहीं रहा। वह कई प्रतियोगिताओं के पहले दौर में बाहर हो गई और इस दौरान एक भी खिताब नहीं जीत सकीं।

क्लच शतरंज चैंपियंस में हिस्सा लेंगे भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश, सामने होगी कड़ी चुनौती

यूरोपियन क्लब कप में अपनी टीम सुपर चेस को शानदार जीत दिलाने के बाद इस टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए अमेरिका पहुंचने वाले गुकेश को अगर जीत हासिल करनी है तो अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा क्योंकि विश्व रैंकिंग में पहले तीन स्थान पर काबिज खिलाड़ी भी इस प्रतियोगिता में अपनी चुनौती पेश करेंगे।

भारतीय ग्रैंडमास्टर विश्व चैंपियन डी गुकेश को शुरू हो रहे 412000 डॉलर इनामी क्लच शतरंज चैंपियन मुकाबले में अब तक की सबसे कड़ी चुनौती का सामना करना होगा। यूरोपियन क्लब कप में अपनी टीम सुपर चेस को शानदार जीत दिलाने के बाद इस टूर्नामेंट में भाग

लेने के लिए अमेरिका पहुंचने वाले गुकेश को अगर जीत हासिल करनी है तो अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा क्योंकि विश्व रैंकिंग में पहले तीन स्थान पर काबिज खिलाड़ी भी इस प्रतियोगिता में अपनी चुनौती पेश करेंगे।

विश्व के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन का ब्रेक हाल ही में पिता बनने के बाद समाप्त हो गया है और वह खिताब के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेंगे। उनके अलावा अमेरिका के हिकारू नाकामुरा और फैबियानो कारूआना जैसे दमदार खिलाड़ी भी 18 गेम तक चलने वाली इस प्रतियोगिता में चैंपियन बनने के दावेदारों में शामिल हैं। एक पखवाड़े के भीतर क्लच शतरंज के दूसरे टूर्नामेंट में बड़ी पुरस्कार राशि गांव पर लगी है। इसके विजेता को 120000 अमेरिकी डॉलर की धनराशि मिलेगी।

खिताबी सूखा समाप्त करने उतरेगी सात्विक-चिराग की जोड़ी, फ्रेंच ओपन बैडमिंटन की आज से शुरुआतं

पेरिस । सात्विक और चिराग ने 2022 और 2024 में फ्रेंच ओपन का खिताब जीता था और वह अपने इस प्रदर्शन को दोहराने के लिए प्रतिबद्ध होंगे। उन्होंने इस वर्ष पेरिस में विश्व चैंपियनशिप में दूसरा कांस्य पदक भी जीता था।

सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार भारतीय युगल जोड़ी आज से शुरू हो रहे फ्रेंच ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में अपना खिताबी सूखा समाप्त करने की कोशिश करेगी। विश्व की छठे नंबर की भारतीय शीर्ष जोड़ी पिछले सप्ताह डेनमार्क ओपन के सेमीफाइनल में बाहर होने से पहले हांगकांग और चाइना मास्टर्स के फाइनल में पहुंची थी। वह अपने पहले मुकाबले में इंडोनेशिया के मुहम्मद रियान अर्दियांतो और रहमत हिदायत की जोड़ी से भिड़ेगी।

लक्ष्य का सामना गुयेन से होगा

सात्विक और चिराग ने 2022 और 2024 में फ्रेंच ओपन का खिताब जीता था और वह अपने इस प्रदर्शन को दोहराने के लिए प्रतिबद्ध होंगे। उन्होंने इस वर्ष पेरिस में विश्व चैंपियनशिप में दूसरा कांस्य पदक भी जीता था। भारत के अन्य खिलाड़ियों में

हांगकांग ओपन के फाइनल में पहुंचने वाले लक्ष्य सेन एक बार फिर आयरलैंड के नहत गुयेन के खिलाफ पुरुष एकल में अपना अभियान शुरू करेंगे, जबकि अमेरिकी ओपन चैंपियन आयुष शेट्टी को जापान के कोकी वतनबे के खिलाफ कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा।

अनमोल खरब को पेश करेंगी चुनौती

महिला एकल में उभरती हुई स्टार अनमोल खरब को पहले दौर में कोरिया की शीर्ष वरीयता प्राप्त एन से-यंग के रूप में कड़ी चुनौती का सामना करना होगा। अनुपमा उपाध्याय का सामना चीन की चौथी वरीयता प्राप्त हान यू से, जबकि विश्व जूनियर चैंपियनशिप में सेमीफाइनल में पहुंचने वाली उन्नति हुड्डा का सामना मलेशिया की करुपाथेवन लेत्शाना से होगा।

पुरुष युगल में पृथ्वी कृष्णमूर्ति रॉय और साई प्रतीक भी अपनी चुनौती पेश करेंगे, जबकि महिला युगल में कविप्रिया सेल्वम और सिमरन सिंह तथा पांडा बहनों ऋतुपर्णा और श्वेतपर्णा के बीच पहले दौर का मुकाबला होगा। मिश्रित युगल में ध्रुव कपिला और तनिषा क्रैस्टो तथा रोहन कपूर और रुत्विका शिवानी गड्डे की जोड़ी अपनी छाप छोड़ने की कोशिश करेगी।

एक-एक मैच बाक़ी फिर भी भारत सेमीफ़ाइनल में और न्यूज़ीलैंड बाहर क्यों

स्मृति मंधाना और प्रतिका रावल के शानदार प्रदर्शन ने भारत को आईसीसी महिला वनडे विश्व कप के सेमीफ़ाइनल में पहुंचा दिया. भारत ने न्यूज़ीलैंड को डकवर्थ लुइस नियम से 53 रनों से हराया है.

अब भारत और न्यूज़ीलैंड दोनों के एक-एक मैच बाक़ी हैं. रविवार को दोनों टीमें अपना आख़िरी लीग मैच खेलेंगी. भारत को बांग्लादेश के ख़िलाफ़ खेलना है और न्यूज़ीलैंड का सामना इंग्लैंड से होगा.

भारत के पास छह मैच में तीन जीत के साथ छह पॉइंट्स हैं जबकि न्यूज़ीलैंड छह में से एक मैच जीतकर चार पॉइंट्स जुटा पाई है. न्यूजीलैंड के दो मैच-पाकिस्तान और श्रीलंका के साथ बारिश के कारण बेनतीजा रहे थे.

भारतीय टीम अगर बांग्लादेश से हार जाती है तो छह पॉइंट्स पर रहेगी और न्यूज़ीलैंड की टीम इंग्लैंड से जीत जाती है तो उसके भी छह पॉइंट्स हो जाएंगे. लेकिन भारतीय टीम सेमीफ़ाइनल में पहुंच चुकी है और न्यूज़ीलैंड का वर्ल्ड कप में सफ़र ख़त्म हो गया है. ऐसा क्यों हुआ?

सार समाचार

आर्थिक मदद जारी

विदिशा । विदिशा एसडीएम के द्वारा एक प्रकरण में आर्थिक सहायता के आदेश जारी कर दिए है। तहसीलदार के पालन प्रतिवेदन पर विदिशा तहसील के ग्राम पिपरिया अजीत निवासी रोशनी पुत्री पूरन सिंह मृत्यु सर्पदंश से हो जाने पर मृतिका के पिता पूरन सिंह पुत्र मोती सिंह को आरबीसी 6(4) प्रावधानो के तहत चार लाख रूपए की आर्थिक सहायता जारी की गई है।

किसानो की मांग पर अब नहरो में पानी पांच को छोड़ा जाएगा

विदिशा । जिले में सिंचाई के लिए नहरों में पानी छोड़े जाने की किसानो द्वारा की गई मांग के आधार पर पांच नवम्बर बुधवार को छोड़ा जाएगा। सम्राट अशोक सागर परियोजना (हलाली) के कार्यपालन यंत्री श्री आर के पण्डोले ने बताया कि पूर्व में जल उपभोक्ता समिति की बैठक में सर्वसम्मति से एक नवम्बर को नहरो में पानी छोड़े जाने का निर्णय लिया गया था किन्तु किसानो द्वारा की गई मांग के आधार पर हलाली डेम की नहरो से पानी छोड़े जाने का कार्य अब पांच नवम्बर से शुरू होगा।

एक बगिया माँ के नाम योजना से साकार हुआ ओमवती बाई का आत्मनिर्भरता का सपना

भोपाल । भोपाल जिले की ग्राम पंचायत दिल्हौद की श्रीमती ओमवती बाई ने मनरेगा अंतर्गत संचालित एक बगिया माँ के नाम योजना के माध्यम से आत्मनिर्भरता की दिशा में उल्लेखनीय कदम बढ़ाया है। स्व-सहायता समूह की सदस्य श्रीमती ओमवती बाई को इस योजना के अंतर्गत रू2.82 लाख की स्वीकृति मिली, जिसके तहत उन्होंने अपने खेत में 100 अमरूद के पौधे लगाए। इन पौधों से प्राप्त फलों को बाजार में बेचकर अब वे अतिरिक्त आय अर्जित कर रही हैं। जनपद पंचायत स्तर पर आयोजित प्रशिक्षण में उन्हें और अन्य हितग्राहियों को पौधों की रोपण दूरी, सुरक्षा उपायों और जैविक कीटनाशकों के उपयोग के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। इस प्रशिक्षण से प्रेरित होकर उन्होंने अपनी बगिया को मेहनत और लगन से विकसित किया। आज उनकी बगिया हरी-भरी है और इससे न केवल उनका आत्मविश्वास बढ़ा है बल्कि परिवार की आर्थिक स्थिति में भी सुधार आया है।

जिला पंचायत सीईओ ने ग्राम भीलखेड़ी सड़क में विभागीय गतिविधियों का किया निरीक्षण

सीहोर । जिला पंचायत सीईओ एवं प्रभारी कलेक्टर श्रीमती सर्जना यादव ने आष्टा जनपद के ग्राम भीलखेड़ी सड़क पहुंचकर पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा मनरेगा के तहत संचालित अनेक गतिविधियों का निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों एवं आईकार्ड के वैज्ञानिकों से कार्यों के बारे में जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पीएम आवास, डगवेल रिचार्ज, सीसी रोड़ निर्माण कार्य सहित अन्य कार्यों का निरीक्षण किया। सीसी रोड़ के निरीक्षण के दौरान रोड़ निर्धारित मापदंडों के अनुरूप नही पाए जाने पर उन्होंने संबंधित सहायक यंत्री, उपयंत्री एवं निर्माण एजेंसी को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। निरिक्षण के दौरान संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

जनसुनवाई में अधिकारियों ने सुनी आवेदकों की समस्याएं

भोपाल । कलेक्टर श्री कौशलेंद्र विक्रम सिंह के निर्देशन में एडीएम श्री अंकुर मेश्राम ने मंगलवार को जिले से जनसुनवाई में आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान अनेक समस्याओं का निराकरण मौके पर ही किया गया। जनसुनवाई में आए नागरिकों से 127 आवेदन प्राप्त हुए। इस मौके पर एसडीएम सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। एडीएम श्री मेश्राम ने जनसुनवाई में आए हर एक आवेदक से धैर्यपूर्वक उनकी समस्याओं पर चर्चा की और उन्हें उनके शीघ्र निराकरण का आश्वासन भी दिया। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को नागरिकों से प्राप्त आवेदनों पर संवेदनशील रूख अपनाते हुए निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने आवेदकों की समस्याओं पर संबंधित क्षेत्र के अधिकारियों को कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

कटारा हिल्स कॉलोनी के बाद अब मिसरोद की एक सोसायटी में घुसे चोर

पाँच घरों में चोरी

भोपाल। भोपाल के मिसरोद स्थित पैसिफिक ब्लू सोसाइटी के पाँच घरों में चोरों ने सेंध लगाकर लाखों के जेवर और नकदी चुरा ली। यह घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। दिवाली के कारण सभी घर खाली थे। पुलिस ने मामला दर्ज कर जाँच शुरू कर दी है। कटारा हिल्स में हुई चोरी के आरोपी अभी भी फरार हैं।

कटरा हिल्स कॉलोनी में घुसकर खाली घरों से जेवर और बाइक चुराने वाले चोरों ने अब पास के इलाके की एक सोसाइटी में सेंध लगाई है। उन्होंने पाँच घरों में चोरी की। पूरी घटना सोसाइटी में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई।

खबरों के मुताबिक, मिसरोद स्थित पैसिफिक ब्लू रेजिडेंशियल सोसाइटी में शनिवार रात चोरों ने एक बड़ी वारदात को अंजाम दिया। वे दीवार के तार काटकर कॉलोनी में दाखिल हुए और एक ही रात में तीन ब्लॉक में पाँच फ्लैटों के ताले तोड़ दिए। वे लाखों रुपये का माल लेकर फरार हो गए। चोरी की यह वारदात सोसाइटी में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई।

शिकायतकर्ता राकेश कटारे (45 वर्ष), निवासी इंडस टाउन फेज-3, मिसरोद ने पुलिस को बताया कि वह सोसाइटी में मेंटेनेंस वर्कर के रूप में काम करते हैं। शनिवार को सोसाइटी के अध्यक्ष राकेश तिवारी ने उन्हें फोन करके कॉलोनी में रेलवे ट्रैक वाली दीवार पर लगे तार कटे होने की जानकारी दी और कैमरे चेक करने को कहा। उन्होंने सीसीटीवी फुटेज देखी तो देखा कि रात करीब 2:10 बजे तीन-चार अज्ञात युवक कॉलोनी में घुसे।

राकेश कटारे जब अन्य निवासियों के साथ घटनास्थल पर पहुँचे तो उन्होंने ब्लॉक बी-02, बी-03 और सी-3 के फ्लैटों के ताले टूटे और अंदर सामान बिखरा हुआ पाया। चोरी अरविंद कुमार गुप्ता, विकास खरे, नीरज मीणा, अनुमेहा जैन और राघवेंद्र पांडे के घरों में हुई। अरविंद गुप्ता और विकास खरे ने बताया कि वे त्योहार मनाने अपने गाँव गए थे और अलमारी में पुराने सोने-चाँदी के जेवर और नकदी रखी थी, जो अब गायब हैं। जबकि अन्य तीन फ्लैटों में केवल सामान अस्त-व्यस्त मिला, लेकिन कोई कीमती सामान चोरी नहीं हुआ। शिकायतकर्ता के अनुसार, दिवाली की छुट्टी पर सभी निवासी बाहर गए हुए थे, जिससे चोरों को मौके का फायदा उठाने का मौका मिल गया।

चोरी की सही कीमत अभी तक तय नहीं हुई है। मिसरोद पुलिस ने शिकायतकर्ता की शिकायत पर मामला दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच शुरू कर दी है।

कटारा हिल्स की त्रिभुवन कॉलोनी में धावा बोलने वाले अपराधियों का अभी तक कोई सुराग नहीं मिला है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, शनिवार रात करीब 2 बजे करीब एक दर्जन अपराधियों ने त्रिभुवन कॉलोनी में धावा बोला। उन्होंने चार घरों से चार दोपहिया वाहन चुरा लिए और एक घर में घुसकर लाखों रुपये के सोने-चांदी के आभूषण और नकदी चुरा ली। पुलिस ने इस मामले में विशाल सिंह और मनोज शर्मा की रिपोर्ट के आधार पर दो मामले दर्ज किए हैं।

कॉलोनी में लगे सीसीटीवी कैमरों की जाँच में करीब दस अपराधी दिखाई दिए, सभी ने अपने चेहरों पर कपड़ा बाँधा हुआ था। शोर सुनकर जब कॉलोनी के लोग जागे, तो अपराधी भागने लगे। इस दौरान कुछ आभूषण और अन्य सामान सड़क पर गिर गए, जो सुबह बरामद किए गए। पुलिस का कहना है कि वे आसपास के इलाकों से फुटेज की जाँच कर रहे हैं। अपराधियों की पहचान हो जाने पर उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

गरिमा और भव्यता के साथ मनाई जाएगी भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में 15 नवम्बर को भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती गरिमा के साथ धूमधाम से मनाई जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने जनजातीय गौरव दिवस के आयोजन को भव्य और गरिमापूर्ण बनाने के लिए जनजातीय परम्पराओं के अनुरूप संसदीय क्षेत्रों में सामुदायिक रैलियां आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने आयोजन की रूपरेखा पर चर्चा करते हुए कहा कि जनजातीय संस्कृति एवं जनजाति कल्याण के लिए सरकार द्वारा किये जा रहे कार्यों को रेखांकित करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास (समत्व भवन) में धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के 150वें जयंती वर्ष के आयोजनों पर जनजातीय प्रतिनिधित्व करने वाले मंत्रीगण एवं जनप्रतिनिधियों से चर्चा कर रहे थे।

बैठक में जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती सम्पतिया उईके, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती निर्मला भूरिया, अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री श्री नागर सिंह चौहान, पंचायत एवं ग्रामीण विकास राज्यमंत्री श्रीमती राधा सिंह, विधायक एवं प्रदेश अध्यक्ष श्री हेमंत खण्डेलवाल सहित जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर और जनजातीय कार्य राज्यमंत्री श्री दुर्गादास उईके बैठक में वर्चुअली शामिल हुए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विकासखण्डवार यात्राएं निकालने, महानायकों के जीवन और योगदान पर जिला स्तरीय संगोष्ठियां और सम्मेलन आयोजित करने, खेल प्रतियोगिताएं, ढोल-मादल एवं बांसुरी प्रतियोगिताएं आयोजित करने के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करने वाले जनजातीय युवाओं को सम्मानित भी किया जायेगा।

भोपाल जिले के शासकीय कृषि फार्म चाचेड़ में

जमीन सरकारी और चरनोई भूमि गौ शाला की

उस पर फसल पैदावार अधिकरियों की

स्वराज्य न्यूज नेटवर्क/9755598108

भोपाल। भोपाल जिले के बैरसिया ब्लॉक में स्थित शासकीय कृषि फार्म चाचेड़ में बड़े पैमाने पर भूमि पर अवैध किसानी और कृषि विभाग के भ्रष्ट अधिकरियों का कारनामा सामने आया है। उपसंचालक कृषि और फार्म प्रबंधन पर आरोप है कि उसने शासकीय भूमि और चरनोई भूमि पर अतिक्रमित कर धान और सोयाबीन की फसलों की उपज क्षेत्रफल में कागजी हेराफेरी कर शासन को लाखों रुपए का चूना लगाया जा रहा है।सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार, शासकीय कृषि फार्म में धान की फसल का क्षेत्र 30 एकड़ दर्ज किया गया है, जबकि वास्तविकता में धान की बुवाई 50 एकड़ भूमि पर की गई है। इसी प्रकार सोयाबीन की फसल में भी आंकड़ों में हेराफेरी कर अधिक उत्पादन दिखाया गया है।

बताया जा रहा है कि अतिरिक्त उत्पादन को मंडी/खुले बाजार में बेचकर प्राप्त राशि अधिकारियों और कर्मचारियों में आपस में बांट ली जाती है।वहीं, शासन द्वारा गौशाला के लिए आवंटित 50 एकड़ चरनोई भूमि का भी दुरुपयोग किया जा रहा है। उक्त भूमि पर गौशाला में पल रही गायों को चारा मिलने के बजाय अधिकरियों द्वारा खेती की जा रही है, और गायों की स्थिति खुले मे चरने के अभाव में दयनीय बनी रहती है। तथा वहीं प्राप्त आय का हिसाब कहीं नहीं दिया जा रहा। गौशाला में मौजूद गायों की हालत भी दयनीय बताई जा रही है। मानों गाय यहाँ गौ शाला में न रह कर कारागार में सजा भुगत रही है।

चर्चा यह भी है कि शासकीय कृषि फार्म चाचेड़ में मनपसंद अधिकारियों की पोस्टिंग लेन देन से करवाई गई है, इसी कारण से उसकी भरपाई करने के लिए पूरे भ्रष्टाचार को संरक्षण दिया जा रहा हैं। इसके पूर्व भी इसी फार्म भूमि के जिम्मेदार अधिकारियों पद के दुरूपयोग और भ्रष्टाचार को लेकर समाचार प्रकाशित हुए हैं, लेकिन विभागीय अथवा शासन स्तर पर आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। जिससे अन्य ईमानदार कर्मचारियों में भय और आम जन में निराशा हो रही है। स्थानीय नागरिकों और कर्मचारियों ने दैनिक स्वराज्य अभियान को बताया कि उनकी शासन से मांग है कि फार्म की भूमि का सीमांकन करा कर विस्तृत जांच की जानी चाहिए । आरोपियों का सबसे पहले अन्यत्र स्थानान्तरण करने के बाद, आरोपियों के विरूद्ध कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए और गौ शाला की चरनोई भूमि को मुक्त कराते हुए पुण्य कार्य करना चाहिए।,इससे दो कार्य होगें शासन को हो रहे आर्थिक नुकसान पर रोक लगेगी और गौ शाला में गऊ धन को चारा और सुरक्षा भी मिल सकेगी।

मुख्यमंत्री कल भोपाल में अनुगूंज सांस्कृतिक महोत्सव का उद्घाटन करेंगे, 500 के विद्यार्थी दिखाएंगे प्रतिभा

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मंगलवार शाम भोपाल में अनुगूंज सांस्कृतिक महोत्सव का उद्घाटन करेंगे। 500 सरकारी स्कूलों के विद्यार्थी शास्त्रीय नृत्य, संगीत और नाटक के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा मंगलवार शाम 5ः30 बजे शासकीय सुभाष उत्कृष्ट विद्यालय, शिवाजी नगर, भोपाल में सांस्कृतिक कार्यक्रम %अनुगूंज% का आयोजन किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इस कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे, जबकि आदिम जाति कल्याण मंत्री कुंवर विजय शाह और स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह विशिष्ट अतिथि होंगे। अनुगूंज दो भागों में आयोजित किया जाएगा। पहले भाग धनक में ओडिसी, भरतनाट्यम, कथक और मणिपुरी जैसे शास्त्रीय संगीत और नृत्यों की प्रस्तुति होगी। दूसरे भाग रंगकार में विद्यार्थी ताना बना टूट न जाए नाटक का प्रदर्शन करेंगे। कार्यक्रम में भोपाल सहित प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों के लगभग 500 सरकारी स्कूलों के विद्यार्थी भाग लेंगे। उन्होंने एक महीने की कड़ी मेहनत से ये प्रस्तुतियाँ तैयार की हैं।

इस आयोजन के लिए, स्कूल शिक्षा विभाग ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कलाकारों को मार्गदर्शक के रूप में नियुक्त किया है। इनमें संगीतकार मॉरिस लाजरस, ओडिसी नृत्य गुरु बिंदु जुनेजा, भरतनाट्यम विशेषज्ञ भारती होम्बल, कथक गुरु पद्मजा रघुवंशी, मणिपुरी नृत्य उस्ताद एम.के. होजेंगम्बा सिंह, मंच निर्देशक सआदत भारती और मंच निर्देशक विनय उपाध्याय शामिल हैं। प्रख्यात रंगकर्मी कमल जैन तकनीकी और रचनात्मक निर्देशन प्रदान कर रहे हैं। अनुगूंज का मंच उज्जैन के महाकाल लोक मंदिर की तर्ज पर बनाया गया है, जो ÷एक भारत-श्रेष्ठ भारत÷ की थीम को दर्शाता है। इस महोत्सव का उद्देश्य विद्यार्थियों की शिक्षा के साथ-साथ उनके रचनात्मक और समग्र विकास को बढ़ावा देना है। यह आयोजन आत्म-अनुशासन, उत्साह और सांस्कृतिक मूल्यों को प्रोत्साहित करेगा।

राज्य सरकार 29 अक्टूबर को 5,200 करोड़ रुपये का ऋण लेगी

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार राज्य के स्थापना दिवस से पहले विकास परियोजनाओं के लिए 29 अक्टूबर को 5,200 करोड़ रुपये का नया कर्ज लेगी। इस वित्तीय वर्ष में कुल उधारी 42,600 करोड़ रुपये तक पहुँच जाएगी, जबकि कुल कर्ज का बोझ 4.64 लाख करोड़ रुपये होगा।

राज्य सरकार मंगलवार को 5,200 करोड़ रुपये का नया कर्ज लेने की तैयारी कर रही है। यह राशि राज्य के स्थापना दिवस से ठीक पहले 29 अक्टूबर को वितरित की जाएगी। इस धन का उपयोग विकास परियोजनाओं, लाडली बहना जैसी योजनाओं के लाभार्थियों को भुगतान और अन्य आवश्यक खर्चों के लिए किया जाएगा। सूत्रों के अनुसार, यह ऋण दो किस्तों में आएगा- 2,700 करोड़ रुपये और 2,500 करोड़ रुपये।

इन्हें वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 20वीं और 21वीं उधारी के रूप में दर्ज किया जाएगा। इससे इस वर्ष का कुल कर्ज 42,600 करोड़ रुपये हो जाएगा। पहली किस्त अक्टूबर 2046 तक और दूसरी किस्त 2047 तक ब्याज सहित चुकाई जाएगी। केंद्र सरकार की मंजूरी से आरबीआई के माध्यम से लिया जा रहा यह ऋण सिंचाई, बिजली परियोजनाओं और सामाजिक विकास जैसे उत्पादक क्षेत्रों पर खर्च किया जाएगा।

सरकार ने पिछले महीनों में भी कई बार उधार लिया है। उसे 1 अक्टूबर को 3,000 करोड़ रुपये, 9 सितंबर को 4,000 करोड़ रुपये, 23 तारीख को 3,000 करोड़ रुपये और 30 तारीख को 3,000 करोड़ रुपये का ऋण मिला। इस वित्तीय वर्ष में अब तक 20 से अधिक उधार लिए जा चुके हैं, जिससे राज्य का कुल ऋण भार लगभग 4.64 लाख करोड़ रुपये हो गया है। फिर भी, सरकार का कहना है कि यह राजकोषीय लक्ष्यों के भीतर है।

राजधानी; उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ चार दिवसीय पूजा का समापन।

भोपाल। भोपाल में आज सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही छठ पूजा का महापर्व संपन्न हो गया। मंगलवार को राजधानी के 52 घाटों पर आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला। सुबह से ही सभी प्रमुख घाटों पर पुलिस और प्रशासनिक अमला तैनात था।

भोपाल में आज सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही छठ पूजा का महापर्व संपन्न हो गया। सूर्य की उपासना की चार दिवसीय परंपरा भक्ति, अनुशासन और उत्साह के माहौल में संपन्न हुई। भोपाल समेत प्रदेश भर के श्रद्धालु सुबह की पहली किरण के साथ ही घाटों पर पहुँच गए और सूर्य देव और छठी मैया से अपने परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की।

आस्था का अद्भुत संगम

राजधानी के 52 घाटों पर मंगलवार को आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला। कमला पार्क, वर्धमान पार्क (सनसेट पॉइंट), खटलापुरा घाट, प्रेमपुरा घाट, हथाईखेड़ा बांध, बरखेड़ा और घोड़ा पछाड़ बांध पर हजारों श्रद्धालु एकत्रित हुए। पारंपरिक गीतों की गूंज, दीपों की रोशनी और पूजा की तैयारियों के साथ घाटों पर माहौल भक्तिमय हो गया।

36 घंटे का निर्जला व्रत समाप्त

सुबह सूर्य की पहली किरण जल पर पड़ते ही व्रती महिलाओं ने दूध और जल से अर्घ्य अर्पित किया। इसके साथ ही 36 घंटे का निर्जला व्रत समाप्त हो गया। अर्घ्य के बाद व्रती महिलाओं ने व्रत तोड़कर अपना व्रत समाप्त किया। भोजन में चावल, दाल, साग, सब्जी, पापड़, बड़ी, पकौड़े और चटनी का पारंपरिक प्रसाद शामिल था।

नगर निगम ने सभी घाटों पर सफाई, पेयजल, प्रकाश और सुरक्षा के इंतजाम किए थे। सुबह से ही पुलिस और प्रशासनिक अमला तैनात था। श्रद्धालुओं ने पूरी श्रद्धा और अनुशासन के साथ पूजा-अर्चना की। शीतलदास की बगिया में भी छठ पर्व की धूम रही। भोपाल दक्षिण-पश्चिम विधायक भगवान दास सबनानी भी श्रद्धालुओं का अभिनंदन करने पहुंचे। भोजपुरी एकता मंच द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें लोकगीतों और भजनों ने दर्शकों का मन मोह लिया।

पिछले वर्षों की तुलना में घाटों पर अधिक श्रद्धालु पहुंचे

भोजपुरी एकता मंच के अध्यक्ष कुंवर प्रसाद ने बताया कि सोमवार शाम को डूबते सूर्य को अर्घ्य देने के बाद श्रद्धालु रात भर भजन-कीर्तन में लीन रहे। चार दिवसीय पूजा का समापन मंगलवार सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ हुआ। इस वर्ष पिछले वर्षों की तुलना में घाटों पर अधिक श्रद्धालु पहुंचे। दीपों की जगमगाहट, फूलों की सजावट और लोकगीतों की मधुर ध्वनि ने पूरे भोपाल को छठी मैया की भक्ति में डुबो दिया।

पीएमश्री पर्यटन हेलीकॉप्टर सेवा एक नवंबर से, भोपाल से उज्जैन के बीच सांकेतिक उड़ान होगी

भोपाल । मध्यप्रदेश के स्थापना दिवस पर 1 नवंबर से पीएमश्री पर्यटन हेली सेवा की शुरुआत होगी। इसके लिए पहले उड़ान भोपाल से उज्जैन के बीच शुरू होगी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार की शाम समत्व भवन में मध्य प्रदेश के स्थापना दिवस कार्यक्रमों की तैयारियों की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने कहा है कि मध्य प्रदेश के स्थापना दिवस पर प्रदेश को पीएमश्री पर्यटन हेली सेवा की महत्वपूर्ण सौगात मिल रही है। एक नवंबर को भोपाल से उज्जैन हेलीकॉप्टर रवाना होगा। यह सांकेतिक शुरुआत होगी और नवंबर माह में ही नियमित रूप से पर्यटकों और श्रद्धालुओं के लिए हेलीकॉप्टर सेवा संचालित होगी। इस सेवा की विशेषता यह है कि मध्यप्रदेश पर्यटन के माध्यम से पर्यटकों और श्रद्धालुओं को रहवास और स्थानीय ट्रांसपोर्ट की सुविधा भी प्रदान की जाएगी। प्रदेश में तीन विभिन्न क्षेत्रों के लिए हेलीकॉप्टर सेवा संचालित की जाएगी। इसके साथ ही प्रदेश के नवें एयरपोर्ट उज्जैन के लिए एक नवंबर को अनुबंध से संबंधित कार्यवाही पूर्ण की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने बताया कि तीन क्षेत्रों में प्रथम क्षेत्र भोपाल से उज्जैन, इंदौर, मांडव और ओंकारेश्वर रहेगा। दूसरा क्षेत्र नर्मदापुरम जिले में स्थित हिल स्टेशन पचमढ़ी के साथ ही छिंदवाड़ा जिले के तामिया और छतरपुर जिले में स्थित विश्व धरोहर स्थल खजुराहो होगा।

प्रकाशक ,मुद्रक, स्वामी, एस.के. भारद्वाज द्वारा इन्डिपेन्डेंट प्रेस ,प्रेस कॉम्प्लेक्स एम.पी. नगर जोन -1 भोपाल म.प्र. से मुद्रित एवं ई -7 /15 चित्रांश होम कॉलोनी , अरेरा कॉलोनी भोपाल म.प्र. से प्रकाशित। **संपादकीय कार्यालय** बी 70 कृष्णा अपार्टमेंट कस्तूरबा नगर भोपाल, **संपादकः-पं. एस.के. भारद्वाज**।आर एन आई रजि. क्र. एम.पी.एच.आई.एन. 2010/33758 । समाचार चयन के लिए पी. आर. बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार । किसी विवाद में पड़ना हमारा कोई अभिप्राय नहीं परिस्थिति जन्य समय में समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र केवल भोपाल रहेगा। E-mail:-swarajyaabhiyan@gmail.com, login-www.swarajyaabhiyan.in,0755-4918394,9425637958